www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
6 अगस्त 2026
वर्षः 49
अंकः 96 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

7 प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर

रांची में जंतर-मंतर जैसा धरना

एक ने पानी तक छोड़ा था, वांगचुक की अपील पर पिया, 7 अगस्त को विधानसभा घेरेंगे

रांची (एजेंसी)। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों के खिलाफ जंतर-मंतर जैसा आंदोलन चल रहा है। 7 से ज्यादा प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर हैं। इनमें छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने 2 अगस्त से अन्न-जल छोड़ रखा था। बुधवार को सोनम वांगचुक ने देवेंद्र से वीडियो कॉल पर बात की। उनकी अपील पर देवेंद्र ने पानी पिया, लेकिन कहा कि उनका अनशन जारी रहेगा। छात्रों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो 7 अगस्त को झारखंड विधानसभा का घेराव करेंगे। ये प्रदर्शन रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 12 दिन से चल रहा है। छात्र जेपीएससी, जेएसएससी-सीजीएल समेत दूसरी भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों की सीबीआई जांच, दोषियों पर कार्रवाई और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। 2 जुलाई को झारखंड लोक सेवा आयोग ने 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी किया था। इसमें 2,204 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा के लिए चुने गए। इसके बाद 18 से 20 जुलाई के बीच मेंस परीक्षा होनी थी। रिजल्ट आने के बाद कई उम्मीदवारों ने गड़बड़ी के आरोप लगाए। उनका कहना था कि कट-ऑफ जारी नहीं की गई। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक उम्मीदवार की कथित आंसर शीट वायरल हुई। दावा किया गया कि उसने सिर्फ 48 सवाल हल किए, फिर भी वह मेंस के लिए चुन लिया गया। वहीं, रिजल्ट पर आयोग के अधिकारियों के हस्ताक्षर नहीं होने को लेकर भी सवाल उठे। विवाद बढ़ने के बाद सरकार ने मेंस परीक्षा रद्द कर दी।

झारखंड की कई परीक्षाएं विवादों में रही हैं- छात्रों का कहना है कि झारखंड की कई भर्ती परीक्षाएं विवादों में रही हैं। इसलिए वे सिर्फ 14वीं जेएससी परीक्षा नहीं, बल्कि पूरे भर्ती सिस्टम में बदलाव चाहते हैं। उनकी सरकार से तीन मुख्य मांगें हैं।

प्रेशर ग्रुप के तौर पर काम करेगी कॉकरोच जनता पार्टी

झारखंड भी जाएंगे, दीपके ने कह दी बड़ी बात

संभाजी नगर (एजेंसी)। अभिजीत दीपके के घर आज कॉकरेज जनता पार्टी की बड़ी बैठक होने जा रही है। इस बैठक में कॉकरोच जनता पार्टी आगे ने रणनीति तैयार करने जा रहा है। इस बैठक से पहले सीजेपी की फाउंडर अभिजीत दीपके ने मीडिया के सामने आए। उन्होंने इस दौरान मीडिया के सवालों के जवाब दिया। जब उनसे पूछा गया कि क्या वो आने समय में कोई राजनीतिक पार्टी शुरू करेंगे तो उन्होंने जवाब दिया कि सीजेपी एक प्रेशर ग्रुप के तौर पर काम करेगा, क्योंकि भारत को अभी एक प्रेशर ग्रुप की ही जरूरत है। जब उनसे पूछा गया कि वो झारखंड में चल रहे छात्रों के प्रदर्शन का समर्थन करने वहां जाएंगे। इस पर अभिजीत दीपके ने कहा कि हम निश्चित रूप से झारखंड जाएंगे। हम वहां विरोध कर रहे छात्रों के साथ खड़े हैं।

राममंदिर में बिना पास के होंगे राम दरबार के दर्शन

आरती में शामिल होने के लिए तत्काल पास शुरू, ट्रस्ट में बदली व्यवस्था

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में राम दरबार के दर्शन के लिए अब पास नहीं लगेगा। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंगलवार को पास की व्यवस्था खत्म कर दी। यानी अब राम मंदिर जाने वाला भक्त पूरे राम दरबार समेत पूरे मंदिर के दर्शन कर सकेगा। मंदिर की पहली मंजिल पर राम दरबार बना है। यह पिछले साल जून में बनकर तैयार हुआ था। शुरुआत में ट्रस्ट ने राम दरबार के दर्शन के लिए पास की अनिवार्यता इसलिए की थी कि श्रद्धालुओं की भीड़ को कैसे मैनेज किया जाए इसे समझा जा सके। करीब एक साल के ट्रॉयल के बाद ट्रस्ट ने इसे अब खत्म कर दिया। हालांकि, रामलला के दर्शन

के लिए सुगम पास की व्यवस्था जारी रहेगी। सुगम पास को जारी करने की अथॉरिटी ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा के पास थी। चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया था। अब मैनेजमेंट ने 2 से 3 लोगों का ग्रुप बनाया है। यही सुगम पास जारी करेगा।

- **तीनों आरतियों के लिए तत्काल भी पास मिलेंगे-** राम मंदिर के पास व्यवस्था प्रभारी नरेंद्र कुमार ने बताया कि रामलला की दिन में 3 बार आरती होती है। इसके लिए तत्काल पास की सुविधा भी शुरू की है। इन तत्काल पास को मंदिर के पास बिड़ला धर्मशाला सामने बनाए गए यात्री सुविधा केंद्र से हासिल किया जा सकेगा। रामलला की आरती के लिए 45 और राम दरबार की आरती के लिए 15 तत्काल पास की लिमिट रखी गई है। रामलला की मंगला आरती सुबह 4 बजे और श्रृंगार आरती सुबह 6 बजे होती है। इन दोनों आरतियों के तत्काल पास एक दिन पहले जारी किए जाएंगे। रात 9 बजे होने वाली शयन आरती के पास उसी दिन बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि आरती दर्शन के लिए पहले से ऑनलाइन 100 पास जारी किए जा रहे हैं।
- **नए दैनिक पास बनाना बंद, पुराने 2,743 की हो रही समीक्षा-** अयोध्या में ऐसे तमाम संत और स्थानीय लोग हैं, जो रोजाना रामलला के दर्शन करते हैं। ऐसे लोगों के लिए मंदिर ट्रस्ट ने दैनिक पास की व्यवस्था की है। हालांकि, चढ़ावा चोरी के पास से पास जारी नहीं किए जा रहे हैं।

परिसीमन बिल पर विशेष सत्र बुला सकती है सरकार

किरन रिजिजू ने राहुल और प्रियंका के साथ की बैठक

संसद परिसर में चढ़ावा चोरी पर विपक्ष ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार परिसीमन पर चर्चा के लिए 16 से 18 अगस्त तक संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को संसद में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ करीब 50 मिनट इस मुद्दे पर बातचीत की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिजिजू ने सदन में बिल पर चर्चा के लिए कांग्रेस से सहयोग मांगा। हालांकि राहुल गांधी ने इसके लिए सीधे मना कर दिया। राहुल पहले चढ़ावा चोरी और लाठीचार्ज के मुद्दे पर चर्चा

और जवाब चाहते हैं। इससे पहले विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे समेत विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी करते हुए गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक मार्च निकाला। विपक्षी सांसद 20 जुलाई को जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज और राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सरकार को घेर रहे हैं। उनकी मांग है कि गृह मंत्री अमित शाह संसद में आकर जवाब दें। इसको लेकर विपक्षी सांसद हंगामा कर रहे हैं।

अप्रैल में भी विशेष सत्र बुलाया

सरकार ने 16 से 18 अप्रैल तक भी संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया था। इस दौरान परिसीमन संशोधन संविधान बिल, संविधान का 131वां संशोधन बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल पर चर्चा की गई थी। 18 अप्रैल को संविधान का 131वां संशोधन बिल पर वोटिंग हुई थी लेकिन सरकार बिल लोकसभा में पास नहीं करा पाई थी। इसके बाद सरकार ने बाकी दो बिल भी पेश नहीं किए थे।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद जल संस्थान में नया विवादः

समान काम के लिए समान वेतन मिलेगा

देहरादून। उत्तराखंड जल संस्थान में उपनल के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों को समान काम के लिए समान वेतन देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, लेकिन इसके साथ एक नई शर्त जोड़ दिए जाने से कर्मचारियों में असंतोष फैल गया है। जल संस्थान प्रबंधन ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि समान वेतन का लाभ पाने वाले कर्मचारियों को एक माह के भीतर विभागीय योग्यता परीक्षा भी देनी होगी।

मुख्य महाप्रबंधक डी.के. सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार, शासन के निर्देशों के अनुरूप उपनल कर्मचारियों को समान कार्य का समान वेतन दिया जाएगा। हालांकि, जिन पदों पर कर्मचारी कार्यरत हैं, उनकी योग्यता के अनुरूप विभागीय परीक्षा पास करना भी आवश्यक होगा। परीक्षा के परिणाम के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

20 हजार से अधिक कर्मचारी होंगे प्रभावित

बताया जा रहा है कि उत्तराखंड में 20 हजार से अधिक उपनल कर्मचारी कार्यरत हैं, जबकि करीब 15 हजार कर्मचारी समान वेतन के दायरे में आने वाले हैं। जल संस्थान में डेटा एंट्री ऑपरेटर, स्टेनो, चतुर्थ श्रेणी सहित विभिन्न पदों पर उपनल कर्मचारियों की तैनाती है। इनमें कई कर्मचारियों को कंप्यूटर टाइपिंग, शॉर्टहैंड और अन्य तकनीकी दक्षता से जुड़ी परीक्षा देनी पड़ सकती है।

एक महीने का दिया गया समय

आदेश के अनुसार संबंधित कर्मचारियों को परीक्षा की तैयारी के लिए एक महीने का समय दिया जाएगा। इसके बाद विभागीय परीक्षा आयोजित होगी। प्रबंधन का कहना है कि यह प्रक्रिया संबंधित पदों की योग्यता सुनिश्चित करने के लिए अपनाई जा रही है।

यूपी में हाहाकार, हाईवे पर बह रही गंगा

- हिमाचल-उत्तराखंड में लैंडस्लाइड, 300 सड़कें बंद
- झारखंड में बारिश-बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश अब जानलेवा साबित हो रही है। झारखंड में मंगलवार को बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा 9 मौतें गिरिडीह, 3 दुमका और 2 लातेहार जिले में हुईं। यूपी के बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे पर बह रहा है। हाईवे की अप्रोच रोड नदी के तेज बहाव में बह गई। सड़क पर 12 फीट गहरा गड्ढा हो गया। वहीं, फर्रुखाबाद में बैरिकेडिंग कर हाईवे को बंद करना पड़ा। मिर्जापुर में 3 लोगों की जान चली गई। दो बच्चों की मौत गड्ढे में डूबने से हुई। एक 25 साल के युवक पर बिजली गिर गई। दूसरी ओर केरलम में 1 अगस्त से लगातार बारिश ने अब तक 25 लोगों की जान ले ली है, जबकि 4 लोग लापता हैं। लगातार बारिश और बाढ़ के कारण हजारों लोगों को घर छोड़ने पड़े हैं। केरलम सरकार के मुताबिक, 18 हजार से ज्यादा लोगों को

राहत शिविरों में रखा गया है। वहीं हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और लैंडस्लाइड के कारण 300 से ज्यादा सड़कें बंद हैं।

- **असम में 23 इलाके अब भी बाढ़ से प्रभावित-** असम के शिवसागर जिले के नजीरा सब-डिवीजन में बाढ़ की स्थिति अब ज्यादातर इलाकों में काबू में है। हालांकि, 23 इलाके अब भी प्रभावित हैं। जिला प्रशासन के मुताबिक, सीमावर्ती क्षेत्रों में सबसे ज्यादा तबाही हुई है। नापालिकुटी इलाके में बड़े पैमाने पर जमीन का कटाव हुआ है। जिला प्रशासन ने बताया कि लगातार बारिश और नगालैंड से आए पानी के कारण कई गांव जलमग्न हो गए थे।

हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अब राहत और बहाली का काम जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, बाढ़ से अब तक 26-27 लोगों की मौत हुई है, जबकि 4-5 लोग अब भी लापता हैं। दिल्ली में बुधवार सुबह न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार

सुप्रीम कोर्ट का मत, भटके युवक पत्थरबाजी करते हैं

सर्वोच्च अदालत बोली-सरकार आक्रामक रवैये से बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में हिंसा को लेकर एक याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार है। कोर्ट ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को संयम रखना चाहिए। अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी भी करें, तब भी उन्हें समझाने और शांत करने की कोशिश करनी चाहिए। सरकार को भी आक्रामक रवैया अपनाने से बचना चाहिए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की बेंच ने यह टिप्पणी रिटायर्ड एयरफोर्स अफसर मनीष कुमार सोलंकी की याचिका पर सुनवाई के दौरान की।

- **युवाओं को काउंसलिंग मिलनी चाहिए-** चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी करते हैं, तब भी उन्हें समझाने और सलाह देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उन्हें काउंसलिंग मिलनी चाहिए। अगर सरकार आक्रामक रवैया अपनाएगी, तो हालात और बिगड़ सकते हैं और हिंसा बढ़ सकती है। इससे बचना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि सबसे जरूरी बात शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बढ़ावा देना है। अगर कोई घटना हो भी जाती है, तो पुलिस को बहुत संयम से काम लेना चाहिए, ताकि हालात नियंत्रण से बाहर न जाएं। जहां भी ऐसी घटनाएं हों, वहां बहुत सावधानी से स्थिति संभालनी चाहिए।

पीएम मोदी का वीडियो हटाने पर जुकरबर्ग को अल्टीमेटम, मांगी माफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो फेसबुक से हटाने के मामले में संसदीय समिति ने मेटा प्रमुख मार्क जुकरबर्ग से 3 दिन के भीतर बिना शर्त माफी मांगने को कहा है। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो मेटा को भारत में मिलने वाली कानूनी सुरक्षा और कुछ छूट वापस लेने पर विचार किया जा सकता है। इसके बाद

जुकरबर्ग ने माफी मांग ली है। इसी मामले में आईटी मंत्रालय और मेटा के अधिकारियों के बीच दो दिन की बैठक चल रही है। सरकार ने मेटा की ग्लोबल टीम को दिल्ली बुलाया है। 5 अगस्त को बैठक का पहला दिन था। पीएम मोदी ने 23 जुलाई को यह वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पेपर लीक को बड़ी समस्या बताया था। उन्होंने ऐसे मामलों की जल्द सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की भी बात कही थी। यह वीडियो कुछ समय के लिए हटा दिया गया था।

उप चुनाव में हार के बाद ऐक्शन में पीएम मोदी

नीतिश-शिवराज से की मुलाकात, बीजेपी चीफ नितिन नवीन से भी की बड़ी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के दतिया और बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में बीजेपी कैंडिडेट को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। इसे लेकर पार्टी में माथापच्ची का दौर तेज है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे मामले पर मोर्चा संभाला है। उन्होंने एक ही दिन में बैक टू बैक कई बैठकें कीं। प्रधानमंत्री दोनों ही राज्यों के सीएम से मिले। उन्होंने बिहार के पूर्व सीएम नीतिश कुमार और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। यही नहीं उन्होंने बांकीपुर से लगातार पांच बार विधायक रहे और मौजूदा सरकार के प्रतिनिधियों ने पिछली यूपीए सरकार के मुकाबले प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में रोजगार पैदा करने और आर्थिक

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन से भी बात की है। प्रधानमंत्री ने ये बैठकें मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की मीटिंग के बाद की है। इस दौरान विकास को मिली बड़ी रफ्तार पर जोर दिया। साथ ही, खेल के क्षेत्र में भारत की बदलाव लाने वाली यात्रा का भी जिक्र किया गया।

नितिन नवीन से की हल्की-फुल्की बात

संसद भवन परिसर स्थित बंद कमरे में हुई इस बैठक के दौरान पीएम मोदी और बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन के बीच हुई हल्की-फुल्की बातचीत ने एनडीए हलकों में चर्चा छेड़ दी। कई सांसदों ने इसे इस तरह देखा कि प्रधानमंत्री, बिहार से राज्यसभा सदस्य नितिन नवीन को सहज महसूस कराने की कोशिश कर रहे थे। यह बातचीत बांकीपुर में बीजेपी की चौंकाने वाली हार के एक दिन बाद हुई। नितिन नवीन ने संसद के लिए चुने जाने के बाद बांकीपुर की सीट खाली कर दी थी। बांकीपुर सीट पर जनसुराज पार्टी के प्रशांत किशोर ने जीत दर्ज की है। यहां बीजेपी की हार इसलिए बड़ा झटका है क्योंकि बांकीपुर लगातार कई टर्म से बीजेपी का अजेय दुर्ग बना हुआ था।

उत्तराखण्ड ने वैश्विक स्तर पर संस्कृत के प्रसार को दिया नया आयाम

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : सचिव, संस्कृत शिक्षा दीपक कुमार ने नई दिल्ली में इंडोनेशिया गणराज्य के दूतावास में कार्यवाहक राजदूत युधो सासोंगको से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान संस्कृत तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के वैश्विक प्रसार हेतु उत्तराखण्ड और इंडोनेशिया के मध्य शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक सहयोग को सुदृढ़ करने पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने उत्तराखण्ड सरकार द्वारा संस्कृत को अपनी द्वितीय राजभाषा का दर्जा प्रदान करने, संस्कृत के संवर्धन एवं प्रचार के लिए किए जा रहे अभिनव प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं देववाणी संस्कृत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में विश्व की सबसे प्राचीन एवं प्रभावशाली भाषा संस्कृत अब भारत की

सीमाओं से आगे बढ़कर वैश्विक शिक्षाविदों के बीच अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ रही है। राज्य के प्रत्येक जनपद में एक-एक संस्कृत ग्राम की स्थापना की गई है। मात्र एक वर्ष की अल्प अवधि में इन संस्कृत ग्रामों ने, स्थानीय समुदायों में संस्कृत सीखने तथा भारत की दार्शनिक, सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत विरासत से पुनः जुड़ने में उल्लेखनीय पहल की है। सचिव, संस्कृत शिक्षा दीपक कुमार ने बताया कि राज्य में संस्कृत आयोग के गठन की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। इस संबंध में देशभर से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं, जिन्हें विश्व संस्कृत दिवस से पूर्व 10 अगस्त तक उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय को प्रेषित किये जाने की योजना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इंडोनेशिया के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित होने से संस्कृत एवं भारतीय ज्ञान परम्परा का व्यापक प्रसार होगा तथा दोनों देशों के युवा अपनी साझा सांस्कृतिक विरासत, नैतिक मूल्यों और प्राचीन सभ्यतागत संबंधों को और अधिक गहराई से समझ सकेंगे। उन्होंने बताया कि इंडोनेशियाई भाषा में संस्कृत मूल के अनेक शब्द आज भी प्रचलित हैं, जो दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत संबंधों का सशक्त प्रमाण हैं।

बरसात में होटल और होमस्टे में नहीं आ रही है बुकिंग

उत्तरकाशी। बरसात सीजन में गंगोत्री और यमुनोत्री यात्रा रूट पर होटलों व होमस्टे में यात्रियों व पर्यटकों की बुकिंग नही आ रही है। साथ ही पर्यटन स्थल हर्षिल में भी बहुत कम यात्री देखने को मिल रहे हैं। हालांकि गंगोत्री में कांवड़ यात्रियों की अच्छी भीड़ देखने को मिल रही है लेकिन यमुनोत्री और गंगोत्री हाईवे पर बदहाल सड़कें इन दिनों यात्रियों व पर्यटकों की राह रोक रही है।
बरसात शुरू होते ही चारधाम यात्रा में बहुत अधिक कमी देखने को मिलती है। इन दिनों गंगोत्री धाम में कांवड़ यात्रियों की अच्छी भीड़ देखने को मिल रही है। लेकिन उनकी संख्या भी प्रतिदिन 1500 से 2000 तक है। इसके साथ ही गंगोत्री यात्रा रूट सहित यमुनोत्री धाम यात्रा रूट व हर्षिल में होटलों व होमस्टे में सन्नाटा पसरा हुआ है। इन दिनों बरसात के दौरान सबसे अधिक यमुनोत्री हाईवे पर यात्रियों सहित स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पालीगाड से लेकर जानकीचट्टी तक सिलाई बैंड, पाली, स्यानाचट्टी सहित जंगलचट्टी, दुर्बिल बैंड हर दिन सड़कें बंद हो रही है।

कलश स्थापना के साथ शुरू हुई शिव महापुराण कथा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जगदीशपुर स्थित शिवशक्ति मंदिर में मंगलवार को विधि-विधान के साथ कलश स्थापना कर शिव महापुराण कथा का शुभारंभ किया गया।

पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा महात्म्य के साथ चंचुला और विंदुक प्रसंग का श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त किया।कार्यक्रम की शुरुआत राधा-कृष्ण कीर्तन मंडली द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजा-अर्चना के बीच कलश स्थापना से हुई। इसके बाद कथा व्यास आचार्य राकेश चंद्र लखेड़ा ने शिव महापुराण की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान शिव की कथा का श्रवण मनुष्य के जीवन में आध्यात्मिक चेतना, सकारात्मक सोच और आत्मिक शांति का संचार करता है। उन्होंने कहा कि शिव कथा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन को सद्मार्ग की ओर प्रेरित करने का प्रभावी माध्यम भी है। आचार्य लखेड़ा ने चंचुला एवं विंदुक की कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए उसके आध्यात्मिक और नैतिक संदेशों को सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने कहा कि सच्ची श्रद्धा, अटूट भक्ति और सत्कर्म के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति जीवन की अनेक कठिनाइयों पर विजय प्राप्त कर सकता है। कथा के दौरान श्रद्धालु पूरे समय भक्ति भाव में डूबे रहे और भगवान शिव के जयकारों से मंदिर परिसर गुंजायमान रहा।

एक नजर

एनआईएम का माउंट अभियान शुरू

उत्तरकाशी। नेहरु पर्वतारोहण संस्थान उत्तरकाशी ने देश के प्रतिष्ठित उच्च हिमालयी अभियानों में शामिल माउंट नुनझकुन अभियान का शुभारंभ किया गया। पर्वतारोहण कौशल, तकनीकी दक्षता और साहसिक नेतृत्व की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए संस्थान का 14 सदस्यीय अभियान दल यात्रा के प्रथम चरण को सफलतापूर्वक पूरा कर जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग पहुंच गया है। एनआईएम के प्रधानाचार्य कर्नल एसएस राजपुरोहित के नेतृत्व में दल फिलहाल उच्च हिमालयी परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को तैयार करने के लिए अनुकूलन (एक्लाइमेटाइजेशन) प्रक्रिया से गुजर रहा है। मौसम और पर्वतीय परिस्थितियां अनुकूल रहने पर यहीं से शिखर आरोहण का मुख्य अभियान शुरू किया जाएगा। लद्दाख की सुरु घाटी में स्थित माउंट नुन (7,135 मीटर) और माउंट कुन (7,077 मीटर) भारत की सबसे चुनौतीपूर्ण हिमालयी चोटियों में शामिल है।

अभियान दल में एनआईएम के अनुभवी प्रशिक्षक और दक्ष पर्वतारोही शामिल है जो चरणबद्ध तरीके से उच्च शिविर स्थापित करने के बाद दोनों चोटियों पर आरोहण का प्रयास करेंगे। एनआईएम का यह अभियान केवल शिखर विजय तक सीमित नहीं है बल्कि भारतीय पर्वतारोहण की उत्कृष्ट परंपरा, प्रशिक्षण क्षमता और साहसिक नेतृत्व का भी परिचायक है।

दोषियों को सजा दिलाने को निकाला कैंडल मार्च

श्रीनगर गढ़वाल : शिक्षिका सृष्टि कंडारी की मौत के जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने की मांग के लिए गढ़वाल विवि के छात्र-छात्राओं और स्थानीय लोगों ने शाम को कैंडल मार्च निकाला। पौड़ी बस अड्डे से शुरू हुआ मार्च गोला बाजार पहुंचकर संपन्न हुआ। हाथों में मोमबत्तियां लेकर चल रहे प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मामले में पीड़ित पक्ष को न्याय मिलने तक आंदोलन का सिलसिला जारी रहेगा। कैंडल मार्च में आइसा के प्रदेश अध्यक्ष अंकित उछोली, छात्रसंघ उपाध्यक्ष शिवांक नौटियाल, पूर्व छात्र प्रतिनिधि प्रियंका खत्री, प्रभाकर बाबुलकर, मुकेश सेमवाल, बीना देवी, रेखा देवी और सरस्वती देवी आदि शामिल रहे। (एजेंसी)

सावन के कीर्तन में भक्ति में लीन दिखे डॉ. हरक सिंह रावत

सहसपुर (देहरादून)। सावन माह के पावन अवसर पर आयोजित भजन-कीर्तन कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत भक्ति में पूरी तरह लीन नजर आए। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन की मधुर धुनों के बीच डॉ. रावत ने आंखें बंद कर श्रद्धा भाव से नृत्य किया। वहां मौजूद श्रद्धालुओं और कार्यकर्ताओं ने भी भक्ति के इस माहौल का उत्साहपूर्वक आनंद लिया। कार्यक्रम का यह वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बनी हुई हैं। इसके बाद डॉ. हरक सिंह रावत ने अपनी परिवर्तन संकल्प यात्रा के तहत सहसपुर विधानसभा क्षेत्र के रतनपुर, खुशहालपुर, सेलाकुई, बादरपुर, राजावाला और भाऊवाला ग्राम सभाओं का दौरा कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं, स्थानीय नागरिकों एवं बुद्धिजीवियों से व्यापक जनसंवाद किया। जनसंपर्क अभियान के दौरान उन्होंने प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों, जनहित से जुड़े मुद्दों, विकास कार्यों, पारदर्शी व्यवस्था और जवाबदेह शासन की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की जनता अब बदलाव चाहती है और प्रदेश में जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाली सरकार की जरूरत महसूस कर रही है। डॉ. रावत ने क्षेत्रवासियों से आगामी समय में जनहित, विकास और पारदर्शी प्रशासन के लिए परिवर्तन का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को उठाने और उनके समाधान के लिए संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने दावा किया कि जनसंपर्क अभियान के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों का भरपूर समर्थन मिला तथा लोगों ने परिवर्तन के संकल्प को मजबूत करने का विश्वास जताया। डॉ. रावत ने सभी कार्यकर्ताओं, कांग्रेसजनों और क्षेत्रवासियों का सहयोग, स्नेह और विश्वास के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का समर्थन ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

अब पराली से बनेंगी सड़कें: प्रदूषण घटेगा

देहरादून। हर साल पराली जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण की समस्या का अब वैज्ञानिक समाधान सामने आ गया है। सीएसआईआर भारतीय पेट्रोलियम संस्थान देहरादून ने बायो-बाइंडर (बायो-बिटुमेन) तकनीक विकसित की है, जिसके जरिए धान की पराली और अन्य कृषि अवशेषों से सड़क निर्माण के लिए डामर (बिटुमेन) तैयार किया जाएगा।

यह तकनीक पर्यावरण संरक्षण, किसानों की आय बढ़ाने और टिकाऊ सड़क निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

क्या है बायो-बाइंडर तकनीक?

इस तकनीक में धान की पराली, फसल अवशेष और अन्य बायोमास को पायरोलिसिस प्रक्रिया से गुजारा जाता है। इस दौरान ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में उच्च तापमान पर बायोमास से बायो-ऑयल तैयार होता है। इसके बाद इस बायो-ऑयल को परिष्कृत कर सड़क निर्माण में उपयोग होने वाले बिटुमेन के साथ मिलाया जाता है। इससे तैयार बायो-बाइंडर सड़क निर्माण के लिए पर्यावरण अनुकूल विकल्प बन जाता है।

पराली जलाने की समस्या का मिलेगा समाधान

उत्तर भारत में हर साल पराली जलाने से गंभीर वायु प्रदूषण होता है। नई तकनीक के जरिए पराली अब किसानों के लिए बेकार नहीं रहेगी, बल्कि आय का एक नया स्रोत बनेगी। इससे पराली जलाने की घटनाओं में कमी आने और प्रदूषण घटाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

किसानों को होगा सीधा लाभ

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस तकनीक का बड़े स्तर पर उपयोग होता है तो किसान अपनी पराली बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकेंगे।

देहरादून में ऑरेंज अलर्ट: भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी

देहरादून, भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा देहरादून जनपद में 5 और 6 अगस्त को भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। संभावित आपदा की आशंका को देखते हुए जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के निर्देश पर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है और सभी विभागों को आपदा प्रबंधन संबंधी व्यवस्थाएं सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि ऑरेंज अलर्ट के दौरान पर्वतीय क्षेत्रों में ट्रैकिंग गतिविधियों पर पूर्ण रोक रहेगी। साथ ही उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटकों के आवागमन की अनुमति नहीं दी जाएगी, ताकि किसी भी संभावित हादसे से बचा जा सके।

प्रशासन ने सभी विभागीय अधिकारियों, आपदा प्रबंधन से जुड़े नोडल अधिकारियों और कर्मचारियों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। किसी भी आपदा या दुर्घटना की स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने और

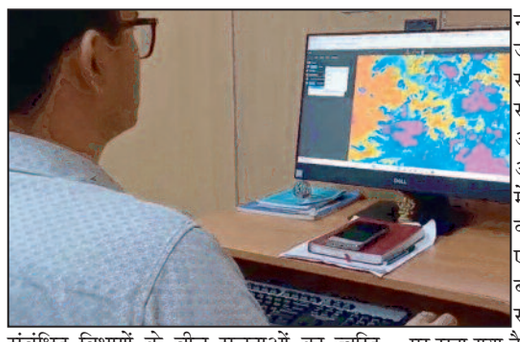

संबंधित विभागों के बीच सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान सुनिश्चित करने को कहा गया है। लोक निर्माण विभाग , राष्ट्रीय राजमार्ग, पीएमजीएसवाई, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और अन्य संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि बारिश के कारण यदि कोई सड़क या मोटर मार्ग बाधित होता है तो उसे प्राथमिकता के आधार पर तत्काल खोला जाए। वहीं नगर निकायों को नालियों और कल्वर्टों की सफाई कर जल निकासी व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। सभी राजस्व उपनिरीक्षकों, ग्राम विकास अधिकारियों और ग्राम पंचायत अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखने को कहा गया है। पुलिस के सभी थाना एवं चौकियों को भी राहत एवं बचाव उपकरणों तथा वायरलेस संचार व्यवस्था के साथ हाई अलर्ट पर रखा गया है। अधिकारियों और कर्मचारियों को मोबाइल फोन हर समय चालू रखने तथा बरसाती, टॉर्च, हेलमेट सहित आवश्यक उपकरण अपने वाहनों में उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि यदि किसी क्षेत्र में लोग फंस जाते हैं तो उनके लिए खाद्य सामग्री, पेयजल और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं।

भोजन माताओं को स्वच्छता और गुणवत्तापूर्ण मध्यान्ह भोजन के दिए गए टिप्स

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पीएम पोषण योजना के तहत विकासखंड एकेश्वर के 106 विद्यालयों की 110 भोजन माताओं के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। प्रशिक्षण में स्वच्छता, पोषण और गुणवत्तापूर्ण मध्यान्ह भोजन तैयार करने के साथ खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई।

खंड विकास कार्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. गुंजन अमरोही ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि पीएम पोषण योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्कूली पोषण योजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ उनकी शिक्षा से निरंतर जुड़ाव सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि भोजन माताओं के समर्पित प्रयासों से विद्यालयों में छात्र नामांकन और उपस्थिति में सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली है। डॉ. अमरोही ने प्रशिक्षण में दी गई जानकारी को विद्यालय स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने का आह्वान करते हुए

उत्कृष्ट कार्य करने वाली भोजन माताओं को सम्मानित करने की बात भी कही। प्रशिक्षण के दौरान नोडल अधिकारी यतेंद्र मोहन धस्माना ने कुपोषण से मुक्ति और संतुलित पोषण के महत्व पर जानकारी दी। बीआरपी दीपिका रावत ने रसोईघर की स्वच्छता एवं खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, बीआरपी शालिनी रावत ने भोजन माताओं के स्वास्थ्य और व्यक्तिगत स्वच्छता, जबकि बीआरपी अरविंद सिंह ने स्वच्छ पेयजल और साफ-सफाई के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में भोजन माताओं को पौष्टिक, स्वच्छ और गुणवत्ता युक्त मध्यान्ह भोजन तैयार करने के व्यावहारिक तरीके भी बताए गए, ताकि विद्यालयों में बच्चों को सुरक्षित और संतुलित भोजन उपलब्ध कराया जा सके।

चार साल साल बाद भी शुरू नहीं हुआ सिरी का बीएसएनएल टावर

उत्तरकाशी। डुंडा ब्लॉक के गाजणा क्षेत्र स्थित सिरी गांव में वर्ष 2023 में स्थापित बीएसएनएल का मोबाइल टावर आज तक संचालित नहीं हो पाया है।

वहीं, ग्रामसभा सटियालीधार में टावर शुरू होने के बावजूद नेटवर्क की कमजोर रेंज से ग्रामीणों को पर्याप्त सुविधा नहीं मिल रही है। ग्रामीणों ने बीएसएनएल के अधिकारियों से जल्द सेवाएं सुचारु करने की मांग की। कहा कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे धौंतरी तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन करेंगे।

स्थानीय निवासी तेजपाल, दिनेश राणा, नितिन नौटियाल और दीपक नौटियाल ने बताया कि सिरी गांव में लगाया गया मोबाइल टावर गाजणा क्षेत्र के 27 से अधिक गांवों के लोगों को बेहतर संचार सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था लेकिन चार वर्ष बीतने के बाद भी टावर चालू नहीं होने से इसका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र में अन्य निजी कंपनियों के मोबाइल नेटवर्क भी अक्सर ठप रहते हैं। इससे ग्रामीणों का बाहरी दुनिया से संपर्क बाधित हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात में भूस्खलन और सड़क बंद होने जैसी आपदाओं का खतरा बना रहता है। ऐसे समय में मोबाइल नेटवर्क का न होना गंभीर चिंता का विषय है।

शेरपुर आसन नदी में दिनदहाड़े जेसीबी से खनन

देहरादून । जनपद के विकासनगर क्षेत्र अंतर्गत शेरपुर स्थित आसन नदी में बरसात के मौसम में खनन पर प्रतिबंध होने के बावजूद गत मंगलवार को दिनदहाड़े जेसीबी मशीन से खनन किए जाने का मामला सामने आया है। लगातार हो रही बारिश के बीच नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है, इसके बावजूद भारी मशीनों से नदी में खनन किए जाने की तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मानसून के दौरान सुरक्षा और पर्यावरणीय कारणों से नदी क्षेत्रों में खनन पर रोक के बावजूद खुलेआम जेसीबी मशीनों से नदी का सीना चीरकर खनिज निकाला जा रहा है। लोगों का कहना है कि यह कार्य दिनदहाड़े होने के बावजूद संबंधित विभागों और प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे प्रशासनिक निगरानी पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्रवासियों के अनुसार पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण आसन नदी का जलस्तर सामान्य से अधिक बना हुआ है। ऐसे समय में नदी के भीतर भारी मशीनों का संचालन किसी बड़े हादसे को भी आमंत्रण दे सकता है। अचानक जलस्तर बढ़ने की स्थिति में मशीन चालकों और श्रमिकों की जान जोखिम में पड़ सकती है। साथ ही नदी के प्राकृतिक प्रवाह और पर्यावरण पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

चलती ऑल्टो कार में लगी भीषण आग

देहरादून, देहरादून-ऋषिकेश मार्ग पर मंगलवार शाम एक बड़ा हादसा उस समय टल गया, जब जॉलीग्रांट से देहरादून की ओर आ रही एक ऑल्टो कार में अचानक भीषण आग लग गई। घटना मणिमाई मंदिर से लगभग 200 मीटर आगे की बताई जा रही है। कार के अगले हिस्से से अचानक धुआं और तेज लपटें उठने लगीं। चालक ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए तुरंत वाहन रोककर बाहर छलांग लगा दी, जिससे उसकी जान बच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग कुछ ही मिनटों में इतनी तेज हो गई कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह आग की चपेट में आ गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई और तत्काल पुलिस व दमकल विभाग को सूचना दी गई।

सूचना मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। शाम 7:34 बजे सूचना प्राप्त होने

के बाद हेड कांस्टेबल दिनेश रावत और जसपाल पवार करीब 7:45 बजे घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने यातायात को सुरक्षित तरीके से संचालित कराया और दमकल विभाग के साथ मिलकर राहत कार्य में सहयोग किया।

दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार का अगला हिस्सा पूरी तरह जल चुका था। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण वाहन के इंजन में आई तकनीकी खराबी (टेक्निकल स्नैग) माना जा रहा है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने वाहन स्वामी से भी आवश्यक जानकारी जुटाई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि वाहन चालकों को समय-समय पर अपने वाहनों की सर्विस करानी चाहिए तथा इंजन, वायरिंग और फ्यूल सिस्टम की नियमित जांच कराते रहना चाहिए। साथ ही कार में अग्निशामक यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) रखना भी सुरक्षा की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है।

दो तिहाई भाजपा विधायकों के टिकट पर संकट!

देहरादून। उत्तराखंड में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने संगठन और विधायकों के प्रदर्शन का आंतरिक आकलन तेज कर दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पार्टी द्वारा कराए गए आंतरिक सर्वे में कई मौजूदा विधायकों के प्रति जनता और कार्यकर्ताओं की नाराजगी सामने आई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि करीब 32 भाजपा विधायकों के खिलाफ उनके क्षेत्रों में असंतोष दर्ज किया गया है, जिससे आगामी चुनाव में उनके टिकट पर संकट के बादल मंडरा सकते हैं।

बताया जा रहा है कि पार्टी नेतृत्व ने विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं, स्थानीय पदाधिकारियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से फीडबैक लिया। इस सर्वे का उद्देश्य सरकार के बजाय विधायकों के व्यक्तिगत प्रदर्शन, जनसंपर्क, उपलब्धता और क्षेत्रीय छवि का मूल्यांकन करना था। रिपोर्ट के अनुसार कई स्थानों पर विकास कार्यों के बावजूद जनप्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी देखने को मिली।

धामी के लिए सुरक्षित सीट पर भी मंथन

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के लिए भविष्य में एक सुरक्षित विधानसभा सीट को लेकर भी संगठन स्तर पर विचार किया जा रहा है, ताकि चुनाव के दौरान वे पूरे प्रदेश में प्रचार अभियान पर अधिक ध्यान दे सकें। हालांकि, इस संबंध में पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

संगठन की रणनीति

सूत्रों के अनुसार भाजपा इस बार उम्मीदवार चयन में केवल जीत की संभावना ही नहीं, बल्कि स्थानीय लोकप्रियता, संगठन से तालमेल और जनता के बीच सक्रियता को भी प्रमुख आधार बना रही है। पार्टी उन सीटों पर नए चेहरों को मौका देने पर विचार कर सकती है, जहां लंबे समय से जनप्रतिनिधियों के खिलाफ असंतोष की शिकायतें मिल रही हैं।

विपक्ष की स्थिति भी होगी अहम

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि टिकट वितरण में अंतिम निर्णय स्थानीय समीकरण, विपक्ष की ताकत, जातीय एवं सामाजिक संतुलन और चुनावी रणनीति को ध्यान में रखकर लिया जाएगा।

देहरादून में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

देहरादून।उत्तराखंड में अवैध शराब की बिक्री और तस्करी पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की गई है। आबकारी विभाग की प्रवर्तन टीम ने देर रात काठबंगला पुल, कैनाल रोड क्षेत्र में एक स्कूटी सवार युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की। आबकारी विभाग के अनुसार, कार्रवाई के दौरान आरोपी की स्कूटी की तलाशी लेने पर 44 पाउच माल्टा देशी शराब तथा 49 क्वार्टर विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब बरामद हुई। टीम

ने मौके पर ही शराब को कब्जे में लेते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुनील कुमार के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ उत्तराखंड आबकारी अधिनियम की धारा 60/72 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। साथ ही अवैध शराब की तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी को भी जब्त कर लिया गया है।

मछली के लालच में दांव पर लगा रहे जिंदगी

कोटद्वार के गिवईस्रोत के समीप खोह नदी में मछली मारने पहुंचे व्यक्ति

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मैदान में धूप व पहाड़ में वर्षा होने के दौरान क्षेत्र की अधिकांश नदियां पूरे वेग पर बह रही हैं। ऐसे में कई युवा अपनी जान की परवाह किए बिना बीच नदी में पहुंचकर मछलियों का शिकार कर रहे हैं। यही नहीं छोटे बच्चे भी नदियों के तट पर मछली मारते हुए आसानी से देखने जा सकते है। पूर्व में हुए हादसों के बाद भी अभिभावक लापरवाह बने हुए हैं।

वर्तमान में पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार हो रही वर्षा के बाद क्षेत्र की मालन, खोह व कोल्हू नदियों का जलस्तर बढ़ा हुआ है। ऐसे में नदियों के तट पर रहने वाले कई युवा मछलियों के शिकार करने के लिए नदी के बीच उतर रहे हैं। सोमवार को भी अचानक बढ़े खोह नदी के जलस्तर में बड़ी संख्या में मछली पकड़ने वाले पहुंचे हुए थे। जबकि, पल भर में ही नदी का जलस्तर भी चढ़ता जा रहा था। कई अभिभावक अपने बच्चों के जीवन को लेकर भी लापरवाह बने हुए हैं। यही नहीं मछली पकड़ने के लिए नदियों में करंट व जहरीला पदार्थ भी डाला जा रहा है। जबकि कुछ वर्ष पूर्व खोह नदी में मछली पकड़ने के दौरान एक बच्चे की डूबने से मौत भी हो गई थी।

नहीं होता नदी के उफान का अंदाजा

कई बार मैदानी क्षेत्रों में धूप खिली रहती है। लेकिन, पर्वतीय क्षेत्रों में तेज बारिश चलती है। जिससे अचानक नदियां उफान पर आ जाती है। ऐसे में मछली पकड़ने वालों को इसका अंदाजा नहीं लग पाता कि कब नदी का जलस्तर बढ़ गया है। सोमवार को भी कुछ युवा गिवईस्रोत में मछली का शिकार करने उतरे थे। उसी के समीप खड़े कुछ लोगों ने जब ऊपर से नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ देखा तो युवाओं को नदी से बाहर निकलने के लिए आवाज लगाई, जिसके बाद युवक नदी से बाहर निकले।

खाद्य पदार्थों की जांच के लिए अभियान जारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : नीलकंठ महादेव धाम पहुंच रहे लाखों शिवभक्तों को शुद्ध, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग ने विशेष निगरानी अभियान तेज कर दिया है। निरीक्षण के दौरान व्यापारियों को स्वच्छता बनाए रखने, खाद्य पदार्थों का सुरक्षित भंडारण करने व साफ-सुथरे वातावरण में खाद्य सामग्री तैयार करने और विक्रय करने के निर्देश भी दिए जा रहे हैं।

अभियान के तहत देहरादून से मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब को लक्ष्मण झूला के जानकी पुल के समीप तैनात किया गया है, जहां खाद्य पदार्थों की निःशुल्क जांच की जा रही है। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा पीसी जोशी ने बताया कि कांवड़ यात्रा मार्ग और नीलकंठ क्षेत्र में संचालित स्थायी एवं अस्थायी खाद्य प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि निर्धारित मानकों पर खरे नही उतरने वाले खाद्य पदार्थों के मामलों में संबंधित कारोबारियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रांतीय सम्मेलन को सफल बनाने के लिए पूर्व सैनिकों से एकजुट होने का आह्वान

आयोजित बैठक में भाग लेते पूर्व सैनिक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की मासिक बैठक में आगामी प्रांतीय वार्षिक सम्मेलन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि सम्मेलन को सफल बनाने के लिए प्रत्येक पूर्व सैनिक की सक्रिय भागीदारी और जिम्मेदारी आवश्यक है।

घमंडपुर स्थित एक बारातघर में आयोजित बैठक की अध्यक्षता परिषद के संरक्षक कैप्टन जीएम धस्माना ने की। महासचिव सूबेदार मेजर सतीश जोशी ने बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कार्यकारिणी एवं सदस्यों से सम्मेलन की तैयारियों में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। परिषद के अध्यक्ष सूबेदार मेजर कुलदीप सिंह रावत ने संगठन की गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि छह सितंबर को कोटद्वार में प्रस्तावित प्रांतीय वार्षिक सम्मेलन संगठन के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सभी पूर्व सैनिकों को संगठित होकर अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा। प्रांतीय सचिव कैप्टन सीपी डोबरियाल ने कहा कि सम्मेलन संगठन की मजबूती और पूर्व सैनिकों के बीच समन्वय बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने अधिक से अधिक पूर्व सैनिकों से सम्मेलन में सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की। बैठक में कोषाध्यक्ष सूबेदार रविंद्र सिंह, कैप्टन गबर सिंह, कैप्टन हंसवंत सिंह बिष्ट, राकेश देवरानी, हरीश कुकशाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

थापला के छात्र का नवोदय विद्यालय में

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विकासखंड एकेश्वर के दुर्गम क्षेत्र स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय अंसारी थापला के छात्र आदर्श रावत का जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में चयन होने पर पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस उपलब्धि पर ग्रामीणों, शिक्षकों और अभिभावकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए छात्र को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

विद्यालय के सहायक अध्यापक विनोद भट्ट एवं पंकज सुंदरियाल ने बताया कि विद्यालय के इतिहास में पहली बार किसी छात्र का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में हुआ है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। ग्रामीणों ने इस सफलता का श्रेय छात्र की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग तथा शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन को दिया और उम्मीद जताई कि भविष्य में विद्यालय के अन्य छात्र भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

भारत छोड़ो आंदोलन स्मृति दिवस पर होगा श्रद्धांजलि कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड स्वतंत्रता सेनानी एवं उत्तराधिकारी संगठन की ओर से नौ अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन स्मृति दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सेनानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। संगठन के महासचिव रोशन सिंह रावत ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन कुंभीचौड़ स्थित एक बारातघर में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन देश के स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण अध्याय है और इस अवसर पर वीर सेनानियों के त्याग एवं बलिदान को स्मरण किया जाएगा। उन्होंने संगठन के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों से निर्धारित समय पर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की।

दहेज हत्या व उत्पीड़न में पति हुआ दोषमुक्त

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दहेज हत्या व उत्पीड़न के एक मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने मृतका के आरोपी पति को दोषमुक्त करार दिया है। मामला यमकेश्वर तहसील के अंतर्गत गंगाभोगपुर मल्ला का है। छः मार्च 2021 को दिनेश ने राजस्व पुलिस में एक तहरीर दी। तहरीर में वादी ने अपनी बहन कुसुम के पति प्रदीप कुमार, सास-

परीक्षण शिविर में बच्चों को बताए दांतों की देखभाल के उपाय

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रोटरी क्लब के तत्वावधान में राजकीय प्राथमिक विद्यालय संख्या-6 में निःशुल्क दंत चिकित्सा परीक्षण एवं दंत स्वच्छता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यार्थियों के दांतों की जांच करने के साथ उन्हें स्वस्थ दांतों के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब की अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता ने किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मुस्कान और स्वस्थ भविष्य का निर्माण रोटरी क्लब की प्राथमिकताओं में शामिल है। उनका कहना था कि स्वस्थ बच्चे ही आगे चलकर समाज और देश के बेहतर नागरिक बनते हैं। दंत चिकित्सक डॉ. आशीष अग्रवाल ने बच्चों को टॉफी, च्यूइंगम और अत्यधिक मीठे खाद्य पदार्थों के सेवन से दांतों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया। उन्होंने सुबह और रात नियमित रूप से ब्रश करने तथा दंत स्वच्छता की आदत अपनाने की सलाह दी। डॉ. नीतिका अग्रवाल ने भी 32 विद्यार्थियों का दंत परीक्षण कर उन्हें दांतों की उचित देखभाल और आवश्यक उपचार संबंधी सुझाव दिए। विद्यालय की प्रधानाचार्या अन्नु रावत ने रोटरी क्लब की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे

आयोजित शिविर में बच्चों के दांतों की जांच करते चिकित्सक

स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष मानु गुप्ता, वाईपी गिलरा, विपिन बक्शी, रोटरी क्लब की सचिव वीना रावत, शरतचंद्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष धनेश अग्रवाल, डीपी सिंह, गुरुबचन सिंह, ऊषा अग्रवाल, अमित अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, गोपाल बंसल, इनरव्हील क्लब की सचिव रेणु अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को दी जाएगी लोकतांत्रिक व चुनावी प्रक्रियाओं की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखण्ड के निर्देशों के अनुपालन में संस्थान में पुनर्गठित निर्वाचन साक्षरता क्लब की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में छात्र-छात्राओं के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मनोनीत कैम्पस एंबेसडर (छात्र-छात्राएं) अपने-अपने क्षेत्रों और परिसरों में जाकर आम नागरिकों को मतदान के प्रति जागरूक करेंगे।

यह बैठक प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह के निर्देशन एवं राजनीति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक एवं क्लब के नोडल अधिकारी विकास प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि क्लब के माध्यम से छात्र-छात्राओं को भारत के संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और चुनाव संपन्न कराने वाले भारत निर्वाचन आयोग की कार्य प्रणाली से विस्तार से परिचित कराया जाएगा। निर्वाचन नामावली (वोटर लिस्ट) में नाम दर्ज कराने और विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के संबंध में विद्यार्थियों में विशेष जागरूकता फैलाई जाएगी। विद्यार्थियों को मतदान व मतगणना की व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। उपलब्धता के आधार पर ईवीएम और वीवीपीएटी मशीनों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। जागरूकता अभियान के तहत निबंध, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, पोस्टर मेकिंग और स्लोगन लेखन जैसी पाठ्य-सहगामी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। वर्तमान दौर में सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए इसके माध्यम से नैतिक एवं जागरूक मतदान को प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही, चुनाव के दौरान फैलने वाले भ्रामक प्रचार और अफवाहों से सतर्क रहने के तरीके भी बताए जाएंगे। बैठक में निर्वाचन साक्षरता क्लब समिति के सदस्य डॉ. हरिओम रावत, डॉ. बचन सिंह, कैंपस एंबेसडर पूनम रावत, राहुल उपस्थित रहे।

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।

उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग

पत्रांकः- 2213/18ए0सी0 दिनांकः- 04-08-2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु शील्ड निविदा दि0 19/08/2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 12/08/2026 से 18/08/2026 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 19/08/2026 को अपरान्ह 3:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाले जा सकते हैं :

1- अधीक्षण अभियन्ता, 12 वां वृत्त, लो0नि0वि0, पौड़ी। 2- अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।
3- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 लैन्सडौन। 4- अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0, ऋषिकेश।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैद्यता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के द्वारीखाल ब्लॉक के अन्तर्गत डाडामण्डी-जमेली मोटर मार्ग से मलेथा तक मोटर मार्ग का नव निर्माण कार्य, (पहाड़ कटान, मक डिस्पोजल एवं डंपिंग जोन निर्माण) चैनेज 0.00 से 0.500	53000.00	1500.00+ जी0एस0टी	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
2	----तदैव---- चैनेज 0.500 से 1.00	53000.00	1500.00 जी0एस0टी	45 दिन	02 माह	तदैव
3	----तदैव---- चैनेज 1.00 से 1.500	53000.00	1500.00 जी0एस0टी	45 दिन	02 माह	तदैव
4	----तदैव---- चैनेज 1.500 से 2.00	53000.00	1500.00 जी0एस0टी	45 दिन	02 माह	तदैव
5	----तदैव---- चैनेज 2.00 से 2.500	53000.00	1500.00 जी0एस0टी	45 दिन	02 माह	तदैव
6	----तदैव---- चैनेज 2.500 से 3.00	53000.00	1500.00 जी0एस0टी	45 दिन	02 माह	तदैव
7	----तदैव---- चैनेज 3.00 से 3.400	43000.00	1500.00 जी0एस0टी	45 दिन	02 माह	तदैव

निविदा दिनांक 20/08/2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा में कार्यालय में खोली जायेगी। अन्य शर्तें निविदा पत्र के साथ देखी जा सकेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

(इं0 निर्भय सिंह)
अधिशासी अभियंता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0
दुगड्डा-गढ़वाल।

(0355/53)

संपादकीय

कांवड़ यात्रा में संयम जरूरी

कावड़ यात्रा शुरू होने के साथ ही उत्तर प्रदेश से लेकर उत्तराखंड में हिंसक घटनाओं के प्रकरण सामने आने लगे हैं जो की एक चिंता का विषय है। हालांकि दोनों ही प्रदेश की सरकारों ने सुरक्षित कावड़ यात्रा के लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध के साथ फोर्स लगाई है लेकिन इसके बावजूद भी अब लगातार ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। सावन माह में देश के विभिन्न हिस्सों से शिवभक्त गंगाजल लेकर अपने–अपने शिवालयों तक पहुंचते हैं और भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। यह यात्रा त्याग, अनुशासन, श्रद्धा और सामूहिक सहयोग का प्रतीक मानी जाती रही है। किंतु पिछले कुछ वर्षों में यात्रा के दौरान हिंसा, झगड़े और कानून व्यवस्था से जुड़ी घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है। यात्रा मार्गों पर छोटी–छोटी बातों को लेकर विवाद होना, वाहन चालकों और कांवड़ियों के बीच टकराव, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं तथा सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री का प्रसार ऐसे कारण हैं जो माहौल को तनावपूर्ण बना देते हैं। कई बार किसी अफवाह या गलतफहमी के कारण स्थिति अचानक बिगड़ जाती है और आस्था का वातावरण संघर्ष में बदल जाता है।यह समझना आवश्यक है कि कुछ व्यक्तियों के अनुचित व्यवहार के आधार पर पूरी कांवड़ यात्रा या सभी श्रद्धालुओं को दोषी नही ठहराया जा सकता। अधिकांश कांवड़िये शांतिपूर्वक और अनुशासन के साथ अपनी यात्रा पूरी करते हैं। रास्ते में स्थानीय लोग, सामाजिक संगठन और प्रशासन भी उनकी सहायता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समस्या तब उत्पन्न होती है जब कुछ असामाजिक तत्व धार्मिक आयोजनों की भीड़ का लाभ उठाकर अराजकता फैलाने का प्रयास करते हैं।

हिंसक घटनाओं का सबसे बड़ा नुकसान समाज की एकता और धार्मिक आयोजनों की गरिमा को होता है। इससे आम नागरिकों को असुविधा होती है, यातायात प्रभावित होता है और श्रद्धा के इस महापर्व की सकारात्मक छवि धूमिल होती है। साथ ही, ऐसी घटनाएं उन लोगों को भी आहत करती हैं जो पूरी निष्ठा और शांतिपूर्ण भाव से यात्रा में शामिल होते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए प्रशासन, समाज और श्रद्धालुओं को मिलकर प्रयास करने होंगे। यात्रा मार्गों पर बेहतर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, अफवाहों पर त्वरित नियंत्रण और यातायात प्रबंधन को मजबूत बनाना आवश्यक है। वहीं श्रद्धालुओं को भी संयम, धैर्य और कानून के प्रति सम्मान का परिचय देना चाहिए। धार्मिक आस्था का वास्तविक अर्थ शांति, सहिष्णुता और आत्मसंयम है, न कि आक्रोश और टकराव। कांवड़ यात्रा भारतीय संस्कृति की एक महत्वपूर्ण धरोहर है। इसकी पवित्रता और गरिमा बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि आस्था के इस मार्ग पर अनुशासन और सद्भाव को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, तो यह यात्रा समाज को जोड़ने और सकारात्मक ऊर्जा फैलाने का माध्यम बन सकती है। हिंसा और उग्रता से दूर रहकर ही कांवड़ यात्रा अपने वास्तविक स्वरूप में श्रद्धा और भक्ति का संदेश दे सकती है।

हिरोशिमा दिवसः तीसरे विश्वयुद्ध की आहट और हिरोशिमा का सबक

दिलीप कुमार पाठक

इक्यासी साल पहले छह अगस्त उन्नीस सौ पैंतालीस को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा पर जो परमाणु बम गिराया था, वह सिर्फ एक शहर की तबाही नहीं थी। उसने चंद सेकेंड में लाखों लोगों को मार डाला और जो बचे, वे पीढ़ियों तक घिसट-घिसट कर मरने के लिए मजबूर हो गए। आज भी जब हम उस दिन की कल्पना करते हैं तो सबसे बड़ा डर यह है कि दुनिया फिर से उसी रास्ते पर चल पड़ी है। चारों तरफ बस लड़ाई-झगड़े और तनाव का माहौल है। रूस और यूक्रेन के बीच सालों से चल रही जंग रुकने का नाम नहीं ले रही है। उधर पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजरायल, हमास, हिजबुल्लाह और ईरान के बीच का झगड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसा लगता है कि दुनिया के बड़े देश किसी भी दिन एक दूसरे पर परमाणु हमला कर देंगे। मशहूर वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने एक बार बहुत पते की बात कही थी कि मैं यह तो नहीं जानता कि तीसरा विश्वयुद्ध किन हथियारों से लड़ा जाएगा, लेकिन चौथा विश्वयुद्ध पत्थरों और लाठियों से लड़ा जाएगा। उनका यह कथन आज की कड़वी सच्चाई है। इस पूरी बबार्दी के पीछे साफ तौर पर अमेरिका की दादागिरी दिखाई देती है। वह अपने फायदे के लिए यूक्रेन के बहाने रूस को घेरने की जिद पर अड़ा है। नाटो सेनाओं का विस्तार करके वह आग में घी डालने का काम कर रहा है।

पश्चिम एशिया के मामले में भी अमेरिकी नीतियां और उसके हथियार शांति लाने के बजाय लड़ाई को और भड़का रहे हैं। आज दुनिया के नौ देशों के पास लगभग बारह हजार परमाणु बम मौजूद हैं। जरा सोचिए, जिस एक बम ने हिरोशिमा को श्मशान बना दिया था, आज के बम उससे हजारों गुना ज्यादा खतरनाक हैं। ऊपर से बड़े देशों के नेता जरा-जरा सी बात पर परमाणु हमले की धमकी देने लगते हैं। रूस के राष्ट्रपति कई बार पश्चिमी देशों को परमाणु हमले का डर दिखा चुके हैं, जो साफ करता है कि इन महाशक्तियों का अहंकार कितना बढ़ चुका है। ऐसे समय में संयुक्त राष्ट्र संघ यानी यूएनओ की भूमिका बिल्कुल बेकार साबित हुई है। इस संस्था को बनाया ही इसलिए गया था ताकि दुनिया में दोबारा कोई बड़ा युद्ध न हो। लेकिन आज यह बड़ी ताकतों के सामने बिल्कुल लाचार और बेबस दिखती है। शक्तिशाली देश इसके नियमों को अपने जूते की नोक पर रखते हैं और अपनी वीटो पावर का इस्तेमाल करके मनमानी करते हैं। यूएनओ न तो रूस और यूक्रेन की लड़ाई रुकवा पाया और न ही पश्चिम एशिया में बेकसूर बच्चों और नागरिकों को मरने से बचा पा रहा है। गाजा में हजारों मासूमों की मौत पर भी यूएनओ कोई ठोस कदम नहीं उठा सका। अंतरराष्ट्रीय कानून सिर्फ कमजोर देशों को डराने के लिए रह गए हैं, जबकि ताकतवर देश खुलेआम नियमों की धज्जियाँ उड़ा रहे हैं।

जब पूरी दुनिया इस तरह आपस में लड़ रही है, तब भारत का नजरिया सबसे अलग और सही है। हमारे देश ने कभी किसी पर अपनी मर्जी थोपने या किसी की जमीन हड़पने की कोशिश नहीं की। भारत ने हमेशा दुनिया को युद्ध नहीं, बल्कि बुद्ध का रास्ता दिखाया है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि हम अपने दोस्त बदल सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। भारत इसी जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ता है। हम पूरी दुनिया को अपना परिवार मानते हैं। हमारे पास परमाणु हथियार हैं, लेकिन हमारी नीति बिल्कुल साफ है कि हम अपनी तरफ से पहले कभी किसी पर हमला नहीं करेंगे। यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी की बात है। भारत ने हमेशा अमेरिका जैसी ताकतों की मनमानी का विरोध किया है और एक ऐसी दुनिया की वकालत की है जहां सब बराबर हों।हिरोशिमा की त्रासदी झेलने वाले रो-रोकर दुनिया से यही कह रहे हैं कि जो उनके साथ हुआ वह दोबारा किसी के साथ न हो। हिरोशिमा दिवस सिर्फ एक पुराना किस्सा याद करने का दिन नहीं है। यह दुनिया के बड़े नेताओं को अपना अहंकार छोड़ने की चेतावनी देने का दिन है। हथियार और जंग कभी किसी मसले का हल नहीं हो सकते। नेताओं की सनक के चक्कर में आम जनता अपनी जान गंवाती है। ट्रम्प, पुतिन, शी जंपिंग जैसे नेताओं को समझना होगा सृष्टि निर्माण पुनः नहीं होगा, बस इसी को सहेजने की दरकार है।

(लेखक पत्रकार हैं)

त्योहारी मौसम में बढ़ती लागत और महंगाई की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

भारत में अगस्त से नवंबर तक का समय धार्मिक और त्योहारी उत्सवों का मौसम माना जाता है। रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, गणेशोत्सव, नवरात्र, दशहरा, दीपावली और छठ जैसे पर्वों के दौरान बाजारों में खरीदारी अपने चरम पर रहती है। यही वह समय होता है जब परिवार कपड़े, घरेलू सामान, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, वाहन, मिठाइयां और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की खरीद अधिक करते हैं। लेकिन इस बार त्योहारी मौसम शुरू होने से पहले ही महंगाई का दबाव बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। कच्चे माल और ऊर्जा की लागत में वृद्धि के कारण कई प्रमुख उपभोक्ता कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी करने की तैयारी कर रही हैं। यदि ऐसा होता है तो इसका सीधा असर आम परिवारों के मासिक बजट और त्योहारी खर्च पर पड़ेगा।

उद्योग जगत की ओर से मिले संकेत बताते हैं कि डिटर्जेंट, साबुन, टूथपेस्ट, पैकेटबंद खाद्य पदार्थ, खाद्य तेल, चाय, हेयर ऑयल, पेंट, घरेलू उपकरण, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और कुछ अन्य उत्पादों के दाम चरणबद्ध तरीके से बढ़ाए जा सकते हैं। कई कंपनियां पहले ही अपने उत्पादों की कीमतों में सीमित वृद्धि कर चुकी हैं, जबकि कुछ कंपनियां आने वाले महीनों में नई मूल्य सूची लागू करने की योजना बना रही हैं। उनका तर्क है कि उत्पादन लागत लगातार बढ़ रही है और लंबे समय तक इसका पूरा बोझ स्वयं उठाना संभव नहीं है।

महंगाई के इस संभावित दौर का सबसे बड़ा कारण कच्चे माल और ऊर्जा की बढ़ती कीमतें हैं। अधिकांश उपभोक्ता उत्पादों के निर्माण में पेट्रोलियम आधारित रसायनों, पैकेजिंग सामग्री, धातुओं, प्लास्टिक और अन्य औद्योगिक कच्चे माल का उपयोग होता है। इनकी कीमत बढ़ने से उत्पादन लागत स्वतः बढ़ जाती है। इसके साथ ही बिजली, ईंधन और परिवहन खर्च में वृद्धि होने से कंपनियों की लॉजिस्टिक लागत भी बढ़ती है। जब उत्पादन से लेकर वितरण तक हर स्तर पर लागत बढ़ती है तो कंपनियों के सामने उत्पादों की कीमतें बढ़ाने के अलावा सीमित विकल्प बचते हैं।

पश्चिम एशिया में लंबे समय से बने भू-राजनीतिक तनाव का असर भी वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दिखाई दे रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का प्रभाव केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहता बल्कि प्लास्टिक, पैकेजिंग, रसायन उद्योग और परिवहन व्यवस्था पर भी पड़ता है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा महंगी होने का असर धीरे-धीरे घरेलू बाजार में रोजमर्रा की वस्तुओं तक पहुंच जाता है।

त्योहारी मौसम में मांग सामान्य दिनों की तुलना में अधिक रहती है। कंपनियां भी इस अवधि में बिक्री बढ़ाने की उम्मीद करती हैं। यदि लागत बढ़ने के बावजूद उपभोक्ता खरीदारी जारी रखते हैं तो कंपनियों के लिए मूल्य वृद्धि लागू करना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है। उद्योग जगत का मानना है कि मजबूत मांग के कारण बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों तक पहुंचाया जा सकता है। हालांकि कंपनियां यह भी देख रही हैं कि कीमत बढ़ने के बाद उपभोक्ताओं की खरीदारी पर कितना प्रभाव पड़ता है। यदि मांग कमजोर पड़ती है तो आगे मूल्य वृद्धि की गति धीमी हो सकती है।

हाल के महीनों में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उपभोक्ता मांग अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है। खुदरा बिक्री के आंकड़े भी बाजार में सकारात्मक गतिविधियों की ओर संकेत करते हैं। इससे कंपनियों को विश्वास है कि त्योहारी सीजन में बिक्री अच्छी रहेगी। फिर भी लगातार बढ़ती कीमतें मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों की चिंता बढ़ा सकती हैं। जिन परिवारों का मासिक बजट पहले से ही सीमित है, उनके लिए दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर अतिरिक्त खर्च करना आसान नहीं होगा।

महंगाई का प्रभाव केवल भोजन या घरेलू सामान तक सीमित नहीं रहता। जब साबुन, डिटर्जेंट, खाद्य तेल, चाय, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान और वाहन जैसी वस्तुएं महंगी होती हैं तो परिवारों को अपने खर्च की प्राथमिकताएं बदलनी पड़ती हैं। कई बार लोग आवश्यक वस्तुओं की खरीद तक सीमित हो जाते हैं और अन्य खर्च टाल देते हैं। इससे उपभोग के स्वरूप में बदलाव आता है और बाजार के विभिन्न क्षेत्रों पर भी इसका प्रभाव पड़ता है।

भारतीय रिजर्व बैंक का खुदरा महंगाई लक्ष्य चार प्रतिशत के आसपास रखा गया है ताकि आम लोगों की क्रय शक्ति पर अधिक दबाव न पड़े। लेकिन जब वैश्विक कारणों से ऊर्जा और कच्चे माल की कीमतें बढ़ती हैं तो महंगाई को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। मौसम की परिस्थितियां भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यदि मानसून सामान्य रहता है और कृषि उत्पादन अच्छा होता है तो खाद्य महंगाई पर कुछ हद तक नियंत्रण संभव है। वहीं यदि मौसम प्रतिकूल रहता है तो खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भी अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है।

त्योहारी मौसम भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि इसी दौरान उपभोक्ता खर्च में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होती है। व्यापारी, निमार्ता और सेवा क्षेत्र सभी इस अवधि पर काफी हद तक निर्भर रहते हैं। इसलिए कंपनियां भी कोशिश करती हैं कि मूल्य वृद्धि को धीरे-धीरे लागू किया जाए ताकि ग्राहकों पर अचानक अधिक बोझ न पड़े। कई कंपनियां छोटे पैक, विशेष छूट और प्रचार योजनाओं के माध्यम से भी उपभोक्ताओं को आकर्षित करने का प्रयास करती हैं।

आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो बढ़ती लागत और महंगाई के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। एक ओर कंपनियों को अपने उत्पादन और कारोबार को लाभकारी बनाए रखना होता है, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं की क्रय क्षमता भी बनी रहनी चाहिए। यदि कीमतें अत्यधिक बढ़ती हैं तो मांग प्रभावित हो सकती है, जबकि लंबे समय तक लागत का पूरा बोझ कंपनियां स्वयं उठाएं तो उनके लाभ और निवेश पर असर पड़ सकता है। इसलिए मूल्य निर्धारण में संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होता है।

आने वाले महीनों में महंगाई की दिशा कई कारकों पर निर्भर करेगी। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें, पश्चिम एशिया की स्थिति, मानसून का प्रदर्शन, परिवहन लागत और घरेलू मांग सभी इस पर प्रभाव डालेंगे। यदि वैश्विक परिस्थितियों में सुधार होता है और कच्चे माल की कीमतें स्थिर होती हैं तो भविष्य में मूल्य वृद्धि की गति धीमी पड़ सकती है। वहीं यदि लागत का दबाव लगातार बना रहता है तो रोजमर्रा के कई उत्पादों की कीमतों में और बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

त्योहारी उल्लास के बीच बढ़ती महंगाई निश्चित रूप से आम उपभोक्ताओं के लिए चुनौती लेकर आ सकती है। ऐसे समय में विवेकपूर्ण खर्च, आवश्यकताओं को प्राथमिकता देना और संतुलित आर्थिक योजना बनाना परिवारों के लिए उपयोगी होगा। साथ ही उद्योग, बाजार और नीति निमार्ताओं के बीच ऐसा संतुलन बनाना भी आवश्यक है जिससे उत्पादन लागत की वास्तविक चुनौतियों का समाधान हो और उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक बोझ भी न बढ़े। यही संतुलन देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग और आम नागरिकों के हित में सबसे अधिक महत्वपूर्ण रहेगा।

अनुच्छेद 370 पर बदजुबानी कर रहे थे जरदारी और शहबाज शरीफ, मोदी ने खुद आगे आकर दिया करारा जवाब

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि सात वर्ष पहले आज ही के दिन अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन गए थे और इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख के विकास का नया अध्याय शुरू हुआ।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं वर्षगांठ पर पाकिस्तान ने एक बार फिर पुराना राग अलापने की कोशिश की, लेकिन उसकी इस बदजुबानी का करारा जवाब खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि 5 अगस्त 2019 का ऐतिहासिक फैसला जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लिए एक निर्णायक नए युग की शुरूआत था। उन्होंने दो टूक कहा कि बीते सात वर्षों में इन दोनों क्षेत्रों ने विकास, सुशासन और सामाजिक सशक्तिकरण के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया, जब पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने भारत के इस संवैधानिक फैसले को लेकर फिर से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विवाद खड़ा करने की कोशिश की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि सात वर्ष पहले आज ही के दिन अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन गए थे और इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख के विकास का नया अध्याय शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि वर्षों तक अपने संवैधानिक अधिकारों से वंचित रहे महिलाओं, अनुसूचित वर्गों और अन्य वंचित समुदायों को अब भारतीय संविधान का पूरा संरक्षण और अधिकार मिला है। शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, उद्यमिता और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है और केंद्र सरकार इन क्षेत्रों को विकसित भारत की यात्रा का मजबूत भागीदार बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस वर्ष अनुच्छेद 370 हटाए जाने की वर्षगांठ इसलिए भी विशेष है क्योंकि यह जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के वर्ष में पड़ रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता के लिए डॉ. मुखर्जी ने जिस संकल्प का सपना देखा था, वह 5 अगस्त 2019 को साकार हुआ।

दूसरी ओर, पाकिस्तान ने एक बार फिर 5 अगस्त को तथाकथित 'यौम-ए-इस्तेहसाल' के रूप में मनाते हुए भारत के खिलाफ बयानबाजी की। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने दावा किया कि भारत ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर की विशेष स्थिति को समाप्त कर अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर के लोगों को अपना नैतिक, राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन जारी रखेगा तथा इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहेगा।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी इसी सुर में बयान देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर विवाद का समाधान पाकिस्तान की विदेश नीति का प्रमुख आधार बना रहेगा। उन्होंने भारत पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगाए और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप की अपील की। वहीं उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने भी भारत के 5 अगस्त 2019 के फैसले को एकतरफा बताते हुए संयुक्त राष्ट्र से इस मामले में सक्रिय भूमिका निभाने की मांग दोहराई। कुल मिलाकर देखें तो पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने एक बार फिर वही पुराने आरोप लगाए, जिन्हें भारत लगातार खारिज करता रहा है।

हालांकि पाकिस्तान की यह बयानबाजी इसलिए भी खोखली और दोगली नजर आती है क्योंकि जो देश कश्मीरियों के अधिकारों की दुहाई देता है, वही पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में अपने ही कब्जे वाले इलाके के लोगों पर दमनचक्र चला रहा है। हाल ही में खुद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने पीओजेके में आंदोलन कर रहे स्थानीय लोगों को भारत की तरह पाकिस्तान का दुश्मन तक करार दिया। पीओजेके में असीम मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जिन्हें दबाने के लिए बल प्रयोग किया जा रहा है। कई इलाकों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं, बिजली की आपूर्ति बाधित की गई, राशन और आवश्यक सुविधाओं पर भी असर पड़ा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनकी आवाज को बलपूर्वक कुचला जा रहा है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जो पाकिस्तान अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर में रहने वाले लोगों के साथ न्याय नहीं कर पा रहा, वह जम्मू-कश्मीर के लोगों की चिंता जताने का नैतिक अधिकार कैसे रखता है? स्पष्ट है कि कश्मीर के नाम पर पाकिस्तान की राजनीति महज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रचार और दुष्प्रचार तक सीमित रह गई है।

दूसरी ओर, अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में विकास परियोजनाओं को तेज गति मिली है। श्रीनगर को यूनेस्को क्रिएटिव सिटी और वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी जैसी वैश्विक पहचान मिली है। डल झील में संगीत फव्वारे पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हैं। वैष्णो देवी और अमरनाथ यात्रा में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी ने क्षेत्र में बढ़े विश्वास और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था की पुष्टि की है। सड़क, रेल और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ है, शिक्षा और उद्यमिता के नए अवसर पैदा हुए हैं तथा स्थानीय हस्तशिल्प और पर्यटन उद्योग को नई ऊर्जा मिली है। पत्थरबाजी खत्म हो गयी है, अलगाववादी टूट चुके हैं और आतंकवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है और लाल चौक पर तिरंगा शान से लहरा रहा है।

बहरहाल, सात वर्षों बाद तस्वीर बिल्कुल साफ है। एक ओर पाकिस्तान है, जो अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर में रहने वाले लोगों को ही दमन, इंटरनेट बंदी, बिजली कटौती और सैन्य कार्रवाई के साये में जीने को मजबूर कर रहा है, जबकि दूसरी ओर भारत का मुकुट जम्मू-कश्मीर है, जो विकास, निवेश, पर्यटन, रोजगार और सुशासन की नई पहचान बना रहा है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया 5 अगस्त 2019 का ऐतिहासिक निर्णय केवल एक संवैधानिक बदलाव नहीं था, बल्कि जम्मू-कश्मीर को अलगाववाद और पिछड़ेपन के दौर से निकालकर विकास और राष्ट्रीय एकीकरण की मुख्यधारा में लाने वाला निर्णायक मोड़ साबित हुआ। यही वजह है कि आज पाकिस्तान के आरोपों से अधिक प्रभावशाली वह बदली हुई तस्वीर है, जिसे जम्मू-कश्मीर की धरती पर विकास, शांति और जनविश्वास के रूप में पूरी दुनिया देख रही है।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में पुरुषों का यौन उत्पीड़न, पूर्व रग्बी कोच आरोपी

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व राष्ट्रीय रग्बी कोच और रेडियो प्रस्तोता एलन जोन्स (85) के खिलाफ छह पुरुषों और लड़कों के यौन उत्पीड़न के आरोपों में सोमवार को मुकदमा शुरू हुआ। उन्होंने 2003 से 2020 के बीच लगे अनुचित व्यवहार और यौन स्पर्श के 22 आरोपों में खुद को निर्दोष बताया है। डाउनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में जस्टिस ग्लेन वॉल्श के समक्ष यह सुनवाई चल रही है। शिकायतकर्ता ने बताया कि 14 साल की उम्र में जोन्स ने उसकी मदद की, लेकिन बाद में अनुचित व्यवहार शुरू कर दिया। वहीं, जोन्स की वकील गैब्रिएल बशीर ने आरोपों को प्रतिद्वंद्विता और मौकापरस्ती से प्रेरित मनगढ़ंत कहानी करार दिया।

ब्रॉड पीक हिमस्खलन में जान गंवाने वाले तीन और पर्वतारोहियों के शव बरामद, दो अब भी लापता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान स्थित ब्रॉड पीक पर आए घातक हिमस्खलन में मारे गए तीन और पर्वतारोहियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। 7,000 मीटर की ऊंचाई पर आए इस हिमस्खलन की चपेट में 10 सदस्यीय टीम आ गई थी। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान (एसीपी) के अनुसार, बरामद शवों में दिग्गज ब्रिटिश-नेपाली पर्वतारोही निर्मल पुरजा, नेपाल के पुर बहादुर गुरुंग, किली पेम्बा शेरपा, नीमा शेरपा, ग्यालु शेरपा, नधीरा अहमद अब्दुल्ला, ओमान के अल हार्थी, अमेरिका की मेलोरी गीस और चीन के वांग झोंग शामिल हैं। पाकिस्तान के सोहेल सखी और नवांग थिंडू शेरपा अब भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है।

पीओके में नवाज शरीफ की पार्टी बना सकती है सरकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चुनाव के दूसरे चरण में नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) ने जबरदस्त जीत हासिल की। पार्टी ने चुनाव वाली 18 में से 14 सीटें जीती हैं। 27 जुलाई को पहले चरण में नवाज की पार्टी ने 13 में से नौ सीटें जीतीं थी। पीओके के चुनाव आयुक्त गुलाम मुस्तफा मुगल ने सोमवार को बताया कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) ने अब तक 31 में से 23 सीटें जीती हैं जबकि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने आठ सीटें हासिल की हैं। पीपीपी को दोनों चरणों में चार-चार सीटें मिली हैं।

अफगानिस्तान में कबीलों के बीच जमीन विवाद ने लिया हिंसक रूप, चौथे दिन जारी झड़प में कई घायल

काबुल, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी अफगानिस्तान में खोस्त और पक्तिया प्रांतों की सीमा पर स्थित एक पहाड़ी इलाके के मालिकाना हक को लेकर दो कबीलों के बीच हुई सशस्त्र झड़पें सोमवार को चौथे दिन भी जारी रहीं। अफगानिस्तान की प्रमुख समाचार एजेंसी खामा प्रेस के मुताबिक, यह झड़प खोस्त प्रांत के स्पाइरा जिले के बोरी खेल कबीले और पक्तिका प्रांत के गियान जिले के गियान खेल कबीले के लोगों के बीच शुरू हुई। स्थानीय रिपोर्टों का हवाला देते हुए एजेंसी ने बताया कि दोनों पक्षों ने संघर्ष के दौरान हल्के और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया। इससे लंबे समय से चल रहे जमीन विवाद के और बढ़ने की चिंता पैदा हो गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, विवादित पहाड़ स्पाइरा और गियान जिलों के बीच स्थित है। यह इलाका जंगलों से घिरा हुआ है, जिनमें कीमती पाइन नट के पेड़ भी हैं। लोगों का कहना है कि इन्हीं संसाधनों की वजह से जमीन के मालिकाना हक, उपयोग और नियंत्रण को लेकर मतभेद और बढ़ गए हैं। कई दशकों से यह विवाद समय-समय पर सशस्त्र झड़पों का कारण बनता रहा है। स्पाइरा जिले के निवासी शाह मीर खान ने कहा कि पहले भी इस पहाड़ को लेकर हुई झड़पों में भारी जान-माल का नुकसान हुआ है। उनका दावा है कि इस विवाद से जुड़े पुराने संघर्षों में करीब 80 लोग मारे गए या घायल हुए थे। हालांकि, इस आंकड़े की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। रेडियो हुर्रियत के अनुसार, हालात को और बिगड़ने से रोकने और दोनों पक्षों को अलग करने के लिए तालिबान बलों को इलाके में तैनात किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस पहाड़ को लेकर विवाद की जड़ दोनों समुदायों के ऐतिहासिक मालिकाना दावों में है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस क्षेत्र को लेकर तनाव कई पीढ़ियों से चला आ रहा है। यह विवाद अक्सर प्राकृतिक संसाधनों, चराई की जमीन और जंगलों तक पहुंच से जुड़ा रहता है। रेडियो हुर्रियत का कहना है कि यह व्यापक विवाद लगभग 80 वर्षों से जारी है और इस दौरान दोनों पक्षों के 250 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

हर जमानत के बाद केसः क्यों नहीं हो रही चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई? वकील बोले- 'सरकार चाहे तो मिल सकती है आजादी'

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के प्रमुख हिंदू संत और सनातनी समुदाय के प्रमुख प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की ओर से पैरवी कर रही कानूनी टीम ने उनकी रिहाई की प्रक्रिया में हो रही देरी पर गंभीर चिंता जताई है। वकीलों का कहना है कि जिस तरह से मामले को लगातार लंबा खींचा जा रहा है, उससे यह संकेत मिलता है कि सरकार की ओर से उनकी शीघ्र रिहाई को लेकर पर्याप्त राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई जा रही है।

आखिर चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी कब और क्यों हुई : चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को 25 नवंबर 2024 को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। उन पर देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया था। आरोप था कि उन्होंने एक रैली के दौरान राष्ट्रीय ध्वज का कथित रूप से अपमान किया। उनकी गिरफ्तारी के बाद पूरे बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और 27 नवंबर 2024 को चटगांव कोर्ट परिसर के बाहर उनके समर्थकों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पें भी हुईं।

जमानत मिलने के बावजूद जेल से बाहर क्यों नहीं आ सके : हालांकि चिन्मय कृष्ण दास को मूल देशद्रोह मामले और उसके बाद दर्ज कुछ अन्य मामलों में जमानत मिल चुकी है, लेकिन नए मुकदमों की वजह से उनकी रिहाई अब भी नहीं हो सकी है। उनके खिलाफ लगातार नए मामले दर्ज होने से वे अब भी जेल में बंद हैं।

वकील ने सरकार पर क्या आरोप लगाए? सोमवार को एएनआई से बातचीत में चिन्मय कृष्ण दास के बचाव पक्ष के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य तंत्र लगातार नए मुकदमे जोड़कर उनके मुवक्किल को जेल में रखने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार वास्तव में चाहती, तो बहुत कुछ संभव हो सकता था, लेकिन इस मामले को जानबूझकर बेहद धीमी गति से आगे बढ़ाया जा रहा है।'

अब तक चिन्मय कृष्ण दास के खिलाफ कितने मामले दर्ज हुए हैं : अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने बताया कि चिन्मय कृष्ण दास के खिलाफ कुल छह मामले दर्ज किए गए हैं। पहला मामला 24 अक्टूबर 2024 को देशद्रोह का दर्ज हुआ था। इसके बाद 25 नवंबर 2024 को उन्हें गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के समय चिन्मय कृष्ण दास रंगपुर में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद घरेलू उड़ान से चटगांव जा रहे थे। ढाका में ट्रांजिट के दौरान हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उन्हें हिरासत में लिया गया।

हर बार जमानत के बाद नए मुकदमे क्यों दर्ज किए गए : बचाव पक्ष के अनुसार, देशद्रोह मामले में 4 मई 2025 को हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी। लेकिन जमानत मिलने के महज दो दिन बाद उनके खिलाफ पांच नए मामले दर्ज कर दिए गए और इन्हीं मामलों में उन्हें फिर से गिरफ्तार दिखा दिया गया। वकील ने कहा कि यह घटनाक्रम इस बात की ओर इशारा करता है कि हर बार जमानत मिलने के बाद नए कानूनी मामले जोड़कर उनकी रिहाई टालने की कोशिश की गई।

इन नए मामलों में कौन-कौन से आरोप शामिल हैं : अपूर्व कुमार भट्टाचार्य के मुताबिक, पांच नए मामलों में अलीफ हत्याकांड, तोड़फोड़, विस्फोटक पदार्थ से जुड़ा मामला और सरकारी काम में बाधा डालने जैसे आरोप शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन सभी मामलों में जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया था। पहले हाईकोर्ट ने नियम (रूल) जारी किया और सुनवाई पूरी होने के बाद सोमवार को इनमें से दो मामलों में जमानत दे दी गई।

अब आगे कानूनी प्रक्रिया क्या होगी : फिलहाल चिन्मय कृष्ण दास के खिलाफ शेष मामलों की सुनवाई चटगांव के स्पीडी ट्रायल ट्रिब्यूनल में चल रही है। स्थानीय अदालत ने हाल ही में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इस पर बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि हम बिना किसी देरी के इस मामले में जमानत के लिए हाईकोर्ट जाएंगे। हाईकोर्ट ने शेष दो मामलों में जमानत याचिका पर सुनवाई 16 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी है।

चिन्मय कृष्ण दास की क्या मांग रही है : चिन्मय कृष्ण दास लंबे समय से बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की आवाज उठाते रहे हैं। उन्होंने अल्पसंख्यक सुरक्षा कानून बनाने, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट-ट्रैक ट्रिब्यूनल स्थापित करने और अल्पसंख्यक मामलों के लिए अलग मंत्रालय बनाने की लगातार मांग की है।

भारत पर नए टैरिफ लगाकर बुरे फंसे ट्रंप, अमेरिका के 25 राज्यों ने ठोक दिया मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर नए टैरिफ लगाकर घर में ही घिर गए हैं। बंधुआ मजदूरी का हवाला देकर भारत सहित 60 देशों पर टैक्स लगाने के बाद अब अमेरिका के 25 राज्यों ने उन पर मुकदमा ठोक दिया है। बता दें कि इससे पहले अमेरिका ने अपने 60 ट्रेड पार्टनर्स पर 10 से 12.5 फीसदी तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इसे लेकर ही अमेरिका के 25 राज्यों के गठबंधन ने सोमवार को न्यूयॉर्क स्थित यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड में मुकदमा दर्ज कराया है। अमेरिका के इन राज्यों का आरोप है कि ट्रंप प्रशासन टैरिफ थोपने के लिए कानून का गलत इस्तेमाल कर रहा है। उनके मुताबिक सुप्रीम कोर्ट टैरिफ को पहले ही निरस्त कर चुकी है। ऐसे में ट्रंप सरकार के पास इस नए टैरिफ लगाने का कोई आधार नहीं है।

'गैर-कानूनी तरीके से थोपा जा रहा टैरिफ' : राज्यों ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 के तहत लागू नए टैरिफ को लेकर सवाल उठाए हैं। राज्यों का तर्क है कि धारा 301 का इस्तेमाल किसी खास देश या कंपनी की नीतियों की जांच के लिए होता है, न कि सभी अमेरिकी आयात पर एक साथ टैरिफ लगाने के लिए। राज्यों ने यह आरोप भी लगाए हैं कि आमतौर पर 1 साल में पूरी होने वाली जांच प्रक्रिया को केवल 2-ढाई महीने में जल्दबाजी में पूरा दिखाकर बंधुआ मजदूरी रोकने का बहाना बनाया गया है। न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स और ओरेगन के अटॉर्नी जनरल डैन रेफील्ड ने कहा है कि ट्रंप प्रशासन सुप्रीम कोर्ट में हारने के बाद अब नया कानूनी बहाना बनाकर फिर से आम परिवारों और कारोबारों पर गैर-कानूनी तरीके से टैरिफ थोप रहा है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि ये टैरिफ उन देशों पर लगाए गए हैं जो देश बंधुआ मजदूरी से बने सामान के निर्यात को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे हैं। हालांकि कड़े कदम उठाने के बाद देशों को छूट भी मिली थी। इनमें से एक भारत था। इस प्रस्ताव के तहत भारत पर पहले 12.5 फीसदी टैक्स लगाने की बात चल रही थी। हालांकि बाद में इसे घटाकर 10 फीसदी कर दिया गया। वहीं कुछ आवश्यक चीजों को टैरिफ के दायरे से बाहर रखा गया है। इनमें कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, खाद जैसी चीजें शामिल हैं। बता दें कि इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ को लेकर कई कानूनी लड़ाई हार चुके हैं। इस साल की शुरुआत में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत ट्रंप के टैरिफ लगाने के फैसले को असंवैधानिक बता दिया था। सुप्रीम कोर्ट के झटके के बाद ट्रंप ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 122 के तहत वैश्विक टैरिफ लगा दिए। हालांकि कोर्ट ने बाद में इसे भी गैर-कानूनी माना। अब ट्रंप प्रशासन ने धारा 301 का सहारा लिया है।

पूर्वी अफ्रीका में भूस्खलन से 14 मौतें, कई लापता; इथियोपिया में धार्मिक आयोजन के समय तबाही

अदीस अबाबा, एजेंसी। इथियोपिया के अमहारा क्षेत्र में सोमवार सुबह भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। कई लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है और राहत-बचाव अभियान लगातार जारी है।

क्या धार्मिक अनुष्ठान के दौरान हुआ हादसा : यह हादसा त्सादकाने देब्रे मिटमाक सेंट मैरी मठ में हुआ, जहां सैकड़ों श्रद्धालु पवित्र जल से शुद्धिकरण के धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने पहुंचे थे। यह अनुष्ठान लंबे समय से बीमारियों से राहत और आध्यात्मिक उपचार की मान्यता से जुड़ा माना जाता है।

कई लोग अब भी मलबे में फंसे : डायोसीज के महाप्रबंधक मेगाबे हादिस नेका तिबेब अबाबू के अनुसार, हादसा सुबह करीब सात बजे हुआ। उन्होंने बताया कि मृतकों में से 11 का अंतिम संस्कार मठ परिसर में कर दिया गया है, जबकि अन्य के शव उनके गृह नगर भेजे गए हैं। कुछ शवों की पहचान करना भी मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि कई लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है।

राहत-बचाव अभियान जारी : गंभीर रूप से घायल लोगों को नॉर्थ शेवा प्रशासनिक क्षेत्र की राजधानी देब्रे बिरहान के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि आपदा प्रबंधन विभाग की विशेषज्ञ टीम मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव अभियान में जुटी हुई है।

लगातार बढ़ रही हैं ऐसी प्राकृतिक आपदाएं : इथियोपिया में जून से सितंबर तक चलने वाले बारिश के मौसम के दौरान भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं आम हो गई हैं। जुलाई 2024 में दक्षिणी इथियोपिया में हुए भूस्खलन में कम से कम 257 लोगों की मौत हुई थी, जबकि इसी वर्ष की शुरुआत में गामो क्षेत्र में भी ऐसे ही हादसे में 100 से अधिक लोगों की जान गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन और कमजोर बुनियादी ढांचे के कारण देश में ऐसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

आतंकियों का काल बना 'अननोन', मारे 30 से ज्यादा लश्कर, पाकिस्तान में कौन कर रहा ऑपरेशन?

इस्लामाबाद, एजेंसी। लश्कर-ए-तैयबा के एक वरिष्ठ कमांडर ने पहली बार खुलेआम यह बात स्वीकार की है कि पिछले तीन से चार वर्षों में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के कई शहरों में संगठन के 30 से अधिक सदस्य मारे जा चुके हैं। उसने इन हत्याओं का ठीकरा भारत से जुड़े 'अननोन' पर फोड़ा है। लश्कर-ए-तैयबा और उसके सहयोगी संगठन जेकेयूएम के एक आतंकवादी ने पहली बार खुलेआम स्वीकार किया है कि पिछले तीन से चार सालों में पाकिस्तान और पीओके के कई प्रमुख शहरों में संगठन के 30 से ज्यादा सदस्य मारे गए हैं। उसने इन हत्याओं का ठीकरा भारत से जुड़े 'अज्ञात बंदूकधारियों' यानी 'अननोन गनमैन' पर फोड़ा है। यह बयान लश्कर के अंदरूनी हलकों में हड़कंप मचाने वाला माना जा रहा है,

क्योंकि अब तक संगठन इस तरह के नुकसान को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने से बचता रहा है।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल : यह चौंकाने वाला खुलासा रिजवान हनीफ ने एक भाषण में किया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिजवान हनीफ लश्कर-ए-तैयबा के पीओके ग्रुप का सीनियर कमांडर और डिप्टी चीफ है। वह सीमा पार घुसपैठ के संचालन, नए आतंकियों की भर्ती और पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट जैसे प्रॉक्सी संगठनों के साथ समन्वय करने में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। उसके इस भाषण ने न सिर्फ लश्कर के अंदर, बल्कि पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों के बीच भी चर्चा छेड़ दी है। अपने भाषण में रिजवान हनीफ ने दावा किया कि पिछले तीन-चार वर्षों के दौरान पेशावर, कराची, रावलपिंडी, रावलकोट और मुजफ्फराबाद समेत कई शहरों में लश्कर-ए-तैयबा के 30 से अधिक सदस्यों की हत्या कर दी गई। उसने कहा कि ये हमले किसी आम अपराधिक घटना की तरह नहीं, बल्कि संगठित तरीके से अंजाम दिए गए। हनीफ के अनुसार, इन हत्याओं के पीछे 'अज्ञात बंदूकधारी' सक्रिय थे, जिन्हें उसने भारतीय एजेंट बताया। हालांकि, उसने इस गंभीर आरोप के समर्थन में कोई ठोस सबूत, नाम या दस्तावेज पेश नहीं किया। हनीफ ने बार-बार यह दोहराया कि ये हत्याएं अचानक नहीं हुईं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही एक श्रृंखला का हिस्सा हैं। उसने संगठन के सदस्यों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि 'अननोन' अब लश्कर के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। उसके शब्दों में, पाकिस्तान और पीओके के अंदर सुरक्षित समझे जाने वाले इलाकों में भी लश्कर के कार्यकर्ता अब सुरक्षित नहीं रह गए हैं। भाषण के दौरान रिजवान हनीफ ने हिंदू धर्म के खिलाफ अपमानजनक और विषैली भाषा का भी इस्तेमाल किया।

पाकिस्तान से रिश्ता खत्म! बलूचिस्तान 11 अगस्त को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाएगा

क्वेटा, एजेंसी। भारत को बांटने का शौक पालने वाला पाकिस्तान आज खुद टूट रहा है। पीओके में जोरदार विरोध प्रदर्शनों के बीच बलूचिस्तान ने अपने स्वतंत्रता दिवस की तारीख भी फिक्स कर दी है। बलूचिस्तान 11 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाएएगा। बलोच नेता इसके लिए दुनियाभर के देशों से समर्थन की मांग कर रहे हैं। रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान कीतरफ से लोगों से अपील की गई है कि वे 11 अगस्त को बलोच एकता दिखाएं और स्वतंत्रता दिवस मनाएं।

पाकिस्तान के बाहर भी मनेगा जश्न : बलोचि लिबरेशन नेता मीर यार बलोच ने कहा कि 11 अगस्त को लोग स्वतंत्र बलूचिस्तान का झंडा अपने घरों मं फहराएं। इसके साथ ही आस-पास, बाजार, दुकानों और सार्वजनिक जगहों पर रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान का झंडा लगाया जाए। बलोच नेता ने अपने

बायन में कहा कि हर साल अब 11 अगस्त को ही स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विदेश में रहने वाले बलोच लोग भी इस दिन स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाएंगे। बलोच नेताओं ने कहा कि पाकिस्तान की नीतियों ने ना कवल इस क्षेत्र में बल्कि बाहर भी बहुत बुरा असर डाला है। चाहे कश्मीर के लिए जहर उगलना हो. बलूचिस्तान में सैन्य कार्रवाई हो, सोवियत-अफगान युद्ध में शामिल होना या फिर परमाणु टेस्टिंग। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की नीतियों की वजह से केवल खून बहता है।

दुनियाभर से समर्थन की मांग : रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान ने अपने बयान में कहा है कि पाकिस्तान के साथ रहकर बलूचिस्तान कभी समृद्ध नहीं हो सकता। ऐसे में पूरी दुनिया को उनका समर्थन करना चाहिए जिससे कि इस क्षेत्र में शांति स्थापित की जा सके।

11 अगस्त को क्यों स्वतंत्रता दिवस : रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान के मुताबिक पहली बार 11 अगस्त 1947 को ही बलूचिस्तान को स्वतंत्र घोषित किया गया था। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इस घोषणा को तवज्जो भी दी थी।उस समय भारत और पाकिस्तान का बंटवारा भी नहीं हुआ था। दावा है कि ऑल इंडिया रेडियो और न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी यह खबर चलाई थी। इसी आधार पर बलूचिस्तान 11 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाता रहा है और आगे भी मनाता रहेगा। भारत-पाक बंटवारे के बाद पाकिस्तान 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने लगा।

दुनिया के तीसरे सबसे छोटे देश ने अपना नाम बदला:अब 'नौरू' नहीं 'नाओएरो' कहलाएगा

यारेन, एजेंसी। प्रशांत महासागर में बसे दुनिया के तीसरे सबसे छोटे देश नौरू ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए अपना नाम बदल दिया है। अब यह देश आधिकारिक तौर पर 'रिपब्लिक ऑफ नाओएरो' कहलाएगा। संयुक्त राष्ट्र (ह) ने भी अपने रिकॉर्ड में नया नाम लागू कर दिया है। करीब 12 हजार आबादी वाले इस द्वीपीय देश का कहना है कि 'नाओएरो' उसका असली नाम है, जबकि 'नौरू' विदेशी लोगों की सुविधा के लिए प्रचलन में आया था। अब सरकार का मानना है कि समय आ गया है कि देश दुनिया के सामने अपनी मूल पहचान के साथ जाना जाए। नाओएरो इक्कीसवीं सदी में ऐसा आठवां देश बन गया है जिसने अपना नाम बदला है। इससे पहले तुर्किये ने 2022 में ऐसा किया था।

शादी में विवाद के बाद 10 साल तक गृहयुद्ध चला : 19वीं सदी के आखिर तक नाउरू एक छोटा-सा द्वीप था, जहां 12 स्थानीय जनजातियां रहती थीं। यहां कोई आधुनिक सरकार या सेना नहीं थी। लोगों का जीवन मछली पकड़ने, नारियल की खेती और समुद्र से मिलने वाले संसाधनों पर निर्भर था। 1870 के दशक में यूरोपीय व्यापारी नाउरू पहुंचने लगे। वे यहां नारियल और दूसरे सामान का व्यापार करते थे। बदले में उन्होंने स्थानीय लोगों को शराब और बंदूकें बेचना शुरू कर दिया। इससे द्वीप का सामाजिक संतुलन बिगड़ने लगा। 1878 में एक शादी समारोह के दौरान रीति-रिवाज को लेकर बहस हुई। बहस के बीच एक व्यक्ति ने पिस्तौल निकालकर गोली चला दी, जिससे एक कबीलाई प्रमुख के बेटे की मौत हो गई। नाउरू की पारंपरिक संस्कृति में ऐसी हत्या का बदला लेना सामाजिक जिम्मेदारी माना जाता था। यहीं से बदले का सिलसिला शुरू हुआ, जो धीरे-धीरे पूरे द्वीप के 12 कबीलों के बीच गृहयुद्ध में बदल गया। यह संघर्ष करीब 10 साल तक चला, जिसे नाउरू सिविल वॉर के नाम से जाना जाता है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मारे गए, कई गांव उजड़ गए और लगभग हर परिवार किसी न किसी रूप में इस हिंसा से प्रभावित हुआ। हालात इतने खराब हो गए कि आखिरकार 1888 में जर्मनी ने हस्तक्षेप कर द्वीप पर नियंत्रण स्थापित किया, हथियार जब्त किए और इस लंबे खूनी संघर्ष को समाप्त कराया।

जर्मनी के बाद ऑस्ट्रेलिया ने नौरू पर कब्जा किया : 1914 में प्रथम विश्व युद्ध शुरू होते ही हालात बदल गए। ऑस्ट्रेलियाई सेना ने बिना ज्यादा प्रतिरोध के नाओएरो पर कब्जा कर लिया। युद्ध खत्म होने के बाद जर्मनी हार गया और उसे अपने कई विदेशी उपनिवेश छोड़ने पड़े। करीब पांच दशक तक विदेशी सरकार के कब्जे में रहने के बाद नाओएरो को 31 जनवरी 1968 को पूर्ण स्वतंत्रता मिली और यह एक संप्रभु गणराज्य बन गया।

माफी नहीं मांगते तो तबाह हो जाते 3 ठिकाने; यूक्रेन पर हमले की तैयारी में था ईरान, अब दी बड़ी चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। कैस्पियन सागर में एक ईरानी कारोबारी जहाज पर हुए हालिया ड्रोन हमले ने तेहरान और कीव को आमने-सामने खड़ा कर दिया है। इस घटना के बाद ईरान ने दावा किया है कि वह यूक्रेन के भीतर तीन रणनीतिक ठिकानों पर जवाबी हमला करने की पूरी तैयारी कर चुका था, लेकिन ऐन वक्त पर यूक्रेनी सरकार द्वारा मांगी गई 'माफी' के बाद इस सैन्य ऑपरेशन को रोक दिया गया।

ईरान-यूक्रेन में क्या था विवाद : विवाद की शुरुआत 25 जुलाई को हुई, जब कैस्पियन सागर में ईरान के एक मालवाहक जहाज पर ड्रोन से हमला किया गया। इस हमले में एक व्यक्ति की जान चली गई थी। यूक्रेन का आधिकारिक तौर पर कहना है कि यह हमला जानबूझकर नहीं किया गया था और यह महज एक तकनीकी गलती थी। हालांकि, ईरान इस सफाई को स्वीकार करने के मूड में नहीं है। तेहरान का मानना है कि उसके पास ऐसे पुख्ता सबूत हैं जो बताते हैं कि यह कार्रवाई पूरी तरह नियोजित थी। यूक्रेन के तीन ठिकानों को निशाना बनाने था ईरान ईरान के सुप्रीम लीडर के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार और IRGC के पूर्व कमांडर मेजर जनरल मोहसन रेजाई ने सरकारी टेलीविजन को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया कि ईरानी सेना ने यूक्रेन के तीन ठिकानों को निशाना बनाने के लिए अपनी तैयारी पूरी कर ली थी। रेजाई के अनुसार, कीव की ओर से यह स्पष्टीकरण आने के बाद कि हमला एक चूक थी, जवाबी कार्रवाई को फिलहाल टाल दिया गया है। दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि तेहरान केवल बयानों से संतुष्ट नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ईरान अब यह देख रहा है कि यूक्रेन अपनी 'गलती' के दावे को साबित करने के लिए क्या ठोस कदम उठाता है।

बघाई ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के उन सार्वजनिक बयानों का भी जिक्र किया, जिनमें उन्होंने कैस्पियन सागर के पास रूसी सैन्य ठिकानों पर लंबी दूरी के हमलों की बात कही थी। ईरान इसे हमले के इरादे के सबूत के तौर पर देख रहा है।

आगे क्या होगा : ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने भी इस

मामले पर यूक्रेनी विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा से बात की है। यूक्रेन ने भरोसा दिलाया है कि वह तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपने नुकसान की भरपाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कार्रवाई करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यूक्रेन ने इस मामले में ठोस राजनयिक समाधान नहीं निकाला, तो यह विवाद एक नए युद्ध के मोर्चे में तब्दील हो सकता है।

एपस्टीन का द्वीप खरीदने वाला ताकझांक से परेशान : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के कुख्यात निजी द्वीप लिटिल सेंट जेम्स और ग्रेट सेंट जेम्स अब एक नई वजह से चर्चा में हैं। बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के अनुसार, द्वीप खरीदने वाले अरबपति निवेशक स्टीफन डेकऑफ के लिए ये प्रॉपर्टी अब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट बनाने वालों की वजह से बड़ी परेशानी बन गई है। डेकऑफ ने 2023 में दोनों द्वीप लगभग 6 करोड़ डॉलर (571 करोड़ रुपये) में खरीदे थे। उनको यहां एक लग्जरी रिसॉर्ट बनाना था, लेकिन चार साल बाद भी ऐसा न हो सका। इस बीच कई यूट्यूबर, इन्फ्लुएंसर व कंटेंट क्रिएटर बिना अनुमति द्वीप पर पहुंचकर वीडियो बना रहे व ताकझांक कर रहे हैं। उनका दावा है कि वे एपस्टीन से जुड़े रहस्यों की सच्चाई सामने लाना चाहते हैं। एपस्टीन पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के गंभीर आरोप थे। 2019 में उसकी जेल में मौत हो गई थी, लेकिन उससे जुड़ी जानकारियों को लेकर आज भी लोगों में काफी दिलचस्पी है।

बाली के इन मंदिरों को देखे बिना नहीं होगी इंडोनेशिया की ट्रिप पूरी

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है।

जब भी बाली घूमने की बात होती है, तो यकीनन सबसे पहले वहां के शानदार बीचेस को एक्सप्लोर करने का ही ख्याल मन में आता है। लेकिन यहां का प्राकृतिक सौंदर्य जितना बेहतरीन है, उतने ही आकर्षक है यहां पर स्थित मंदिर। प्राचीन बाली में कई मंदिर ऊंचे इलाकों और तटों पर स्थित हैं, जो शानदार सदियों पुरानी वास्तुकला को समेटे हुए हैं। भले ही आप स्वभाव से धार्मिक हों या ना हो, लेकिन फिर भी आपको इन मंदिरों में एक बार जरूर जाना चाहिए। यह मंदिर आपको बाली के सांस्कृतिक पक्ष से रूबरू होने का मौका देते हैं, साथ ही साथ मंदिर के पीछे की दिलचस्प इतिहास को जानकर यकीनन बेहद रोमांचित होंगे। तो चलिए आज हम आपको बाली में स्थित कुछ बेहतरीन मंदिरों के बारे में बता रहे हैं-

तनाह लोट मंदिर

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है। तनाह लोट मंदिर क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए केवल तभी पहुँचा जा सकता है जब समुद्र का पानी कम हो। समुद्र के ज्वार के समय तनाह लोट मंदिर समुद्र के बीच में स्थित प्रतीत होता है। तनाह लोट मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय सूर्यास्त से पहले दोपहर का है। दर्शन के बाद आप यहां पर सूर्यास्त भी अवश्य देखें। तनाह लोट में सूर्यास्त का दृश्य अद्वितीय और बाली में सबसे सुंदर दृश्यों में से एक है।

उलुवातु मंदिर

उलुवातु मंदिर को बाली के लोगों द्वारा पुरा लुहुर उलुवातु भी कहा जाता है और यह बाली में छह मुख्य हिंदू मंदिरों में से एक है। उलुवातु मंदिर अपनी वास्तुकला की विशिष्टता के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान एक बहुत ही खड़ी चट्टान के किनारे पर स्थित है और चट्टानों की समुद्र तल से लगभग 70 मीटर की ऊँचाई है। यहां पर सूर्यास्त के दृश्य के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान से पर्यटक हिंद महासागर के दृश्यों को भी देख सकते हैं। यहां पर आप बाली के डांस भी अवश्य देखें, क्योंकि बाली में एकमात्र स्थान जो सूर्यास्त के दौरान बाली केकक नृत्य पेशकश करता है वह उलुवातु मंदिर में है।

उलुन दानू बेरातन मंदिर

एक झील में एक स्वर्ग, वही वास्तव में उलुन दानू है। बेदुगुल में बेराटन झील के पश्चिमी किनारे पर स्थित, यह एक प्रसिद्ध फ्लोटिंग टेम्पल है, और बाली आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक मनोरंजक स्थान है। इसकी संरचना के अलावा, यहाँ का शांत वातावरण और पॉजिटिविटभ् आपके मन, शरीर और आत्मा को फिर से जीवंत करने के लिए एकदम सही हैं। इंडोनेशिया के बाली के सभी मंदिरों में से यह सबसे शांत मंदिरों में से एक है।

बेसकिह मंदिर

बाली के सभी हिंदू मंदिरों में से, बेसकिह यहां पर सबसे बड़ा और सबसे पवित्र मंदिर परिसर है। इसके प्रवेश द्वार से जो एक सीढ़ी की तरह लगता है जो आपको सीधे स्वर्ग में ले जाता है। यकीन मानिए, यहां का वातावरण आपको निश्चित रूप से विस्मय कर देगा! बाली, इंडोनेशिया के सभी मंदिरों में, यह निश्चित रूप से बाली के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है।

शहर की भागदौड़ से ब्रेक चाहते हैं तो घूम आइए हिमाचल की इन जगहों पर

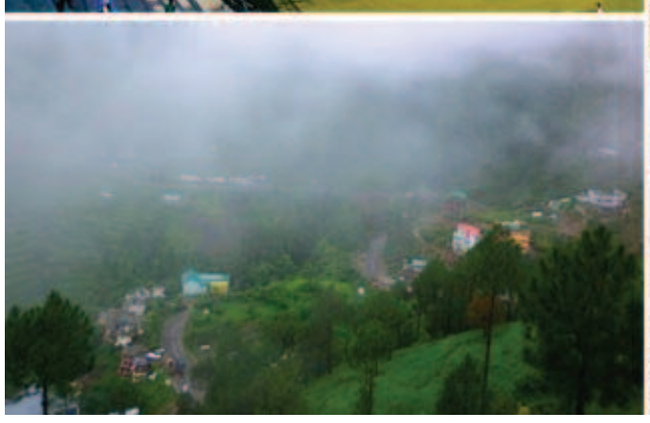

हिमाचल प्रदेश देश की सबसे सुंदर जगहों में से एक है। यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शुद्ध और शांत वातावरण और प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के लिए जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में बहुत से हिल स्टेशन हैं जहाँ देश-विदेश से लोग घूमने आते हैं। यहाँ के ऊंचे पहाड़, खुले हरे मैदान, प्राचीन मंदिर-मठ और नीले पानी की झील नदियाँ पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। शहरों की भीड़-भाड़ और शोर-गुल भरी ज़िंदगी से दूर यहाँ का शांत वातावरण पर्यटकों को शांति प्रदान करता है। आज के इस लेख में हम आपको हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशनों की जानकारी देंगे। अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को अपनी लिस्ट में ज़रूर शामिल करें-

शिमला

शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी होने के साथ-साथ हिमाचल का सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन भी है। 2200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह देश की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। शिमला का मॉल रोड, रिज, टॉय ट्रेन यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। शिमला में कई ऐतिहासिक मंदिर और इमारतें भी हैं जिसे देखने दूर-दूर से लोग यहाँ आते हैं। इस शहर की सुंदरता और शुद्ध वातावरण यहाँ आने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

मनाली

मनाली हिमाचल प्रदेश के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। मनाली हिमाचल के कुल्लू जिले का एक हिस्सा है और यह पीर पंजाल और धौलाधार पर्वतमाला के बर्फ से ढकी ढलानों के बीच स्थित है। समुद्र तल से 1950 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर है। यहाँ के हरे-भरे जंगल, फूलों से सजे मैदान और नदी में बहता ताज़ा पानी पर्यटकों को इस जगह से प्यार करने पर मजबूर कर देता है। यहाँ आकर पर्यटकों को सुकून मिलता है। इस हिल स्टेशन में कई मंदिर, संग्रहालय और प्रसिद्ध गाँव हैं। पर्यटक यहाँ पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर ट्रेक्किंग करते हैं और यहाँ की सुंदरता का आनंद लेते हैं।

धर्मशाला

काँगड़ा घाटी से 17 किलोमीटर दूर स्थित धर्मशाला हिमचाल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यहाँ के बर्फ से ढके धौलाधार पर्वत श्रृंखला इस जगह की खासियत हैं और इसे देश के सबसे खूबसूरत पर्यटक स्थलों में से एक है बनाते हैं। धर्मशाला को दलाई लामा के पवित्र निवास स्थान के रूप में भी जाना जाता है। इस शहर को अलग-अलग ऊंचाई के साथ दो हिस्सों में बाँटा गया है। इसके निचले हिस्से में धर्मशाला शहर और ऊपरी हिस्से को मैकलोडगंज के नाम से जाना जाता है। धर्मशाला में तिब्बती संस्कृति देखने को मिलती है और यहाँ बौद्ध धर्म के कई पवित्र स्थल हैं।

स्पीति घाटी

समुद्री तल से 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश की सबसे प्रसिद्ध जगहों में से एक है। यह घाटी चारों ओर से हिमालय से घिरी हुई है जो इस जगह को बेहद खास बनाते हैं। स्पीति घाटी में ठंडे रेगिस्तान, बर्फ से ढके पहाड़, घुमावदार सड़कें और सुरम्य घाटियाँ हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यह जगह यहाँ आने वाले पर्यटकों को उत्साह और रोमांच से भर देती है। स्पीति घाटी देश की सबसे ठंडी जगहों में से एक है और यह जगह साल के लगभग 6 महीने मोटी बर्फ से ढकी होती है।

कसौली

कसौली हिमाचल प्रदेश के सबसे मशहूर हिल स्टेशनों में से एक हैं। यह चंडीगढ़ से शिमला के रास्ते में स्थित एक छोटा सा पहाड़ी शहर है जो हिमालय पर्वत के निचले किनारों पर बसा हुआ है। हिमाचल के दक्षिण-पश्चिम भाग में स्थित कसौली शहरों की भीड़ और चकाचौंध से दूर बसा हुआ एक शांतिपूर्ण शहर है। देवदार के सुंदर जंगलो के बीच बसा कसौली शहर अंग्रेज़ों द्वारा बनाई गई भव्य विक्टोरियन इमारतों के लिए मशहूर है। कसौली की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे हिमाचल के सबसे खास पर्यटन स्थलों में से एक बनाता है।

किन्नौर

शिमला से लगभग 235 किलोमीटर की दूरी पर स्थित किन्नौर हिमाचल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यह जगह को लैंड ऑफ़ गॉड के नाम से प्रसिद्ध है। किन्नौर सतलुज, बसपा और स्पीति नदी के बीच स्थित है और यह जगह अपने हरे-भरे मैदानों और चट्टानी पहाड़ों की सुंदरता के लिए काफी मशहूर है। किन्नौर का किन्नर कैलाश पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है और यहाँ आए पर्यटक किन्नर कैलाश देखने जरुर जाते हैं। माना जाता है कि किन्नर कैलाश भगवान शिव और शिवलिंग का है और इसके साथ ही इस पर्वत का संबंध पांडवों की कहानियों से बताया जाता है। किन्नौर में कई पुराने बौद्ध मठ और मंदिर भी हैं जो बहुत पवित्र माने जाते हैं और इन्हें देखने दूर-दूर से पर्यटक यहाँ आते हैं।

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है 'पचमढ़ी', घूमने के लिहाज से है बेहतरीन

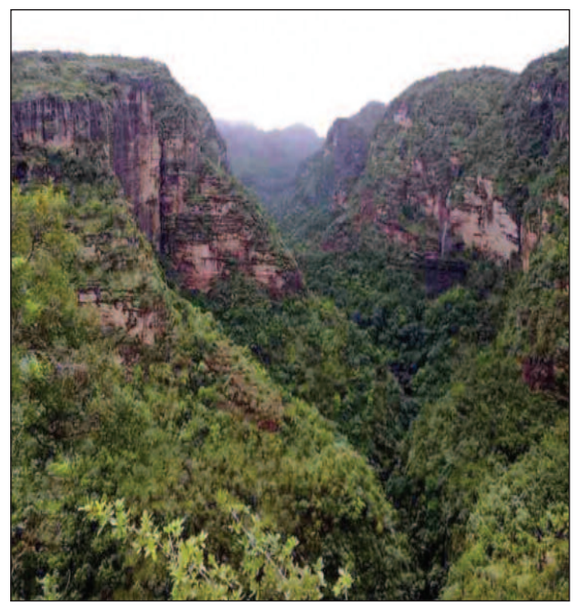

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन, पचमढ़ी मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है। इसे लोकप्रिय रूप से सतपुड़ा की रानी या क्वीन ऑफ़ सतपुड़ा कहा जाता है। यह हिल स्टेशन 1110 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है। यह हिल स्टेशन भारतीय इतिहास में भी एक पौराणिक महत्व रखता है। माना जाता है कि यह पांडवों के निर्वासन के दौरान उनका निवास स्थान था। पचमढ़ी पर्यटन स्थलों में कई गुफाएं, झरने, पहाड़ियां, मंदिर और वन्यजीव अभ्यारण्य शामिल हैं जो मध्य प्रदेश के इस खूबसूरत हिल स्टेशन को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पंचमढ़ी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की जानकारी देंगे -

पांडव गुफाएं

पचमढ़ी में घूमने के लिए पांडव गुफाएं सबसे अच्छी जगहों में से एक है। शानदार सतपुड़ा पर्वतमाला की पृष्ठभूमि के साथ, पांडव गुफा 5 रॉक-कट बौद्ध मंदिरों का एक समूह है। पौराणिक स्रोतों से पता चलता है कि पांडव अपने निर्वासन के दौरान इन मंदिरों में रुके थे, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। 9वीं शताब्दी में बने इन मंदिरों को सुंदर मूर्तियों और नक्काशी से सजाया गया है।

बी फॉल्स

बी फॉल्स, पचमढ़ी में स्थित एक खूबसूरत झरना है। इसे जमुना प्रपात के नाम से भी जाना जाता है। यह जलप्रपात पचमढ़ी घाटी के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराता है। यह झरना एक सुंदर भनभनाहट के साथ बहता है इसलिए इसे बी फॉल्स के नाम से जाना जाता है। स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों के बीच, बी फॉल्स एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट के तौर पर प्रसिद्ध है। बी फॉल्स में लोग अक्सर तैराकी के लिए जाते हैं। रोमांच पसंद करने वाले लोग धारा को पार करके, बी फॉल्स के माध्यम से दूसरे स्नान कुंड रजत प्रपात तक पहुंच सकता है।

जटा शंकर गुफाएं

जटा शंकर गुफाएं, पचमढ़ी के सबसे पवित्र स्थलों में से एक हैं। प्रचलित लोककथाओं के अनुसार, यह वह स्थान माना जाता है जहां भगवान शिव ने भस्मासुर के प्रकोप से खुद को छुपाया था। जटा शंकर गुफाएं एक विशाल चट्टान की छाया के नीचे एक प्राकृतिक शिवलिंगम का दावा करती हैं। इसके साथ ही, गुफा में पत्थर का निर्माण शेषनाग से मिलता जुलता है। वहीं, गुफाओं में चट्टान का निर्माण भगवान शिव के उलझे हुए बालों से मिलता जुलता है, इसलिए इसका यह नाम पड़ा।

धूपगढ़

धूपगढ़, सतपुड़ा श्रेणी का सबसे ऊँचा शिखर है, जिसकी ऊंचाई 1350 मीटर है। यह न केवल पचमढ़ी का उच्चतम बिंदु है बल्कि मध्य प्रदेश और मध्य भारत का उच्चतम बिंदु भी है। पचमढ़ी में सूर्यास्त देखना एक अद्भुत अनुभव है। इसके अलावा, यह स्थान एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल भी है। पर्यटकों के बीच, धूपगढ़ घूमने का सबसे अच्छा मौसम मानसून के दौरान होता है। बारिश के मौसम में यह स्थान बादलों से आच्छादित होता है।

बड़ा महादेव गुफा

बड़ा महादेव गुफा, पचमढ़ी से लगभग 10 किमी दूर स्थित है। यह भगवान महादेव का एक पवित्र तीर्थ है। यह 60 फीट लंबी गुफा है, जिसके अंदर भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान गणेश के भी मंदिर हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, बड़ा महादेव गुफा वह स्थान है जहां भगवान विष्णु ने एक दिव्य सौंदर्य मोहिनी का रूप लेकर राक्षस भस्मासुर का वध किया था। इसमें गुफा से लगातार पानी गिरता रहता है जो एक कुंड में जमा हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस कुंड में स्नान करने से कई बीमारियों का इलाज होता है।

रजत प्रपात

रजत प्रपात, पचमढ़ी का सबसे बड़ा जलप्रपात है। इस जलप्रपात का नाम रजत प्रपात इसलिए पड़ा क्योंकि जब इस पर सूरज की रोशनी पड़ती है तो यह चांदी के रंग में चमकता है। रजत प्रपात को 'सिल्वर फॉल' के नाम से भी जाना जाता है। यह झरना 107 मीटर की ऊँचाई से गिरता है। यह भारत का 30वां सबसे ऊंचा जलप्रपात है। रजत प्रपात को सतपुड़ा की रानी कहा जाता है।

उद्यमिता एवं स्वरोजगार के लिए प्रतिभागियों को किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : ग्राम्य विकास विभाग के तत्वावधान में बुधवार को विकास भवन सभागार में मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं एवं अन्य प्रतिभागियों ने उद्यम स्थापना से जुड़ी अपनी जिज्ञासाएं विशेषज्ञों के समक्ष रखीं, जिनका विस्तारपूर्वक समाधान किया गया। प्रतिभागियों को सफल उद्यमियों के अनुभवों एवं विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से भी प्रेरित किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने की। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, युवा एवं इच्छुक उद्यमी इस योजना का लाभ लेकर अपने स्वयं के

उद्यम स्थापित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से भी योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा पात्र लाभार्थियों तक इसकी जानकारी पहुंचाने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना रुद्रप्रयाग के इनक्यूबेशन मैनेजर भरत सिंह बिष्ट ने बताया कि मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं एवं इच्छुक उद्यमियों को रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला उद्यमी बनाना है। योजना के माध्यम से उद्यम स्थापना के प्रत्येक चरण में तकनीकी मार्गदर्शन, व्यवसाय पंजीकरण, बिजनेस प्लान तैयार करने, वित्तीय संस्थानों से समन्वय, विपणन, ब्रांडिंग तथा उत्पादों की बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करने में सहयोग प्रदान किया जाता है। कार्यशाला में विभिन्न विषय विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को स्वरोजगार एवं उद्यमिता से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। विशेषज्ञों ने व्यवसाय की शुरुआत करने, बिजनेस मॉडल तैयार करने, व्यवसाय पंजीकरण की प्रक्रिया, वित्तीय प्रबंधन, बैंक ऋण एवं अन्य वित्तीय सहायता प्राप्त करने के तरीकों, उत्पाद की ब्रांडिंग, पैकेजिंग तथा आधुनिक विपणन तकनीकों पर विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही डिजिटल प्लेट-फॉर्म एवं ऑनलाइन माध्यमों के जरिए उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के संबंध में भी महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए गए। इस अवसर पर मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र बिष्ट, जिला सेवायोजन अधिकारी सुशील चमोली, आरसेटी निदेशक अरुण कुमार मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना रुद्रप्रयाग के इनक्यूबेशन मैनेजर भरत सिंह बिष्ट और हिमांशु बर्त्वाल, बैंक प्रतिनिधि, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारी एवं कार्मिक, स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मोतियाबिंद शिविर में 15 की जांच

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सौजन्य से राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत मनसूना में आयोजित निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर में 15 लोगों के नेत्रों की जांच की गई। अगला निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर गुरूवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चोपड़ा में होगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारूल गोयल के निर्देशन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनसूना में आयोजित मोतियाबिंद शिविर में विवेकानंद नेत्रालय, रामकृष्ण मिशन आश्रम, किशनपुर देहरादून की स्वास्थ्य टीम द्वारा 15 लोगों के नेत्रों की जांच की, जिसमें से 04 ग्रामीणों के नेत्र मोतियाबिंद से ग्रसित पाए गए तथा 10 लोगों को दवा वितरित की गई। मोतियाबिंद से ग्रसित लोगों का देहरादून स्थिति विवेकानंद नेत्रालय में निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जाएगा। उन्हें विवेकानंद नेत्रालय रामकृष्ण मिशन आश्रम की टीम द्वारा देहरादून ले जाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारूल गोयल बताया कि राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में अगला निःशुल्क मोतियाबिंद 09 अगस्त को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चोपड़ा में प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने जनमानस से इन निःशुल्क शिविरों का लाभ प्राप्त करने की अपील करते हुए बताया कि उक्त शिविरों से संबंधित अधिक जानकारी के लिए अपने क्षेत्र की आशा फेसिलिटेटर व आशा कार्यकत्री से संपर्क कर सकते हैं। मोतियाबिंद शिविर में सेवा प्रदान करने वालों में विवेकानंद नेत्रालय, रामकृष्ण मिशन आश्रम, किशनपुर देहरादून के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. नितिन रावत, दृष्टिमित्रज्ञ सौरभ बर्तवाल, फार्मेसिस्ट सुभाष रावत शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

पेयजल लाइन लीकेज होने से राहगीर परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : सब्जी मंडी चौराहे पर पेयजल लाइन पर दो स्थानों से हो रहे रिसाव के कारण सड़क पर पानी जमा हो रहा है। सुबह के समय पानी का बहाव बढ़ने से चौराहे पर तालाब बन जाता है, जिससे राहगीरों, स्कूली बच्चों और वाहन चालकों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्थानीय लोगों के अनुसार चौराहे पर एक पाइपलाइन से कई वर्षों से पानी रिस रहा है। इसकी शिकायत कई बार जल संस्थान से की गई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया। अब पुराने लीकेज से कुछ ही दूरी पर करीब चार दिन पहले दूसरी पाइपलाइन भी लीक हो गई है। हनी शाह, राजकिरण, मनोज जोशी, रिंकू और कार्तिकेय बहुगुणा ने जल संस्थान से दोनों लीकेज की जल्द मरम्मत कराने की मांग की। वहीं जल संस्थान की कनिष्ठ अभियंता पूजा ने बताया कि पाइपलाइन की मरम्मत के लिए नगर निगम से रोड कटिंग की अनुमति मिल गई है। अनुमति मिलने में देरी के कारण कार्य शुरू नहीं हो पाया था। जल्द पाइपलाइन की मरम्मत का काम शुरू कराया जाएगा।

12 माह से खाद्यान्न नहीं लेने वाले उपभोक्ता कराएं ई-केवाईसी

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिला पूर्ति अधिकारी अंकित पाण्डेय ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत आने वाले सभी पात्र राशनकार्ड उपभोक्ताओं से समय रहते अपने राशनकार्ड की ई-केवाईसी पूर्ण कराने की अपील की है। उन्होंने बताया कि जनपद चमोली में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत प्राथमिक परिवार (पीएचएच), अन्त्योदय अन्न योजना (एएवाई) तथा राज्य खाद्य योजना के ऐसे राशनकार्ड धारकों की पहचान की गई है, जिन्होंने पिछले 12 माह से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्यान्न का उठान नहीं किया है तथा अब तक अपने राशनकार्ड की ई-केवाईसी भी पूर्ण नहीं कराई है।

जिला पूर्ति अधिकारी ने कहा कि ऐसे सभी राशनकार्ड उपभोक्ता 20 अगस्त, 2026 तक अपने राशनकार्ड में दर्ज सभी यूनिटों की ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से पूर्ण करा लें। ई-केवाईसी निर्धारित अवधि के भीतर न कराने पर संबंधित राशनकार्ड धारकों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी पात्र लाभार्थियों से अपील की कि वे किसी भी असुविधा से बचने के लिए समय रहते अपने निकटतम उचित दर विक्रेता अथवा संबंधित पूर्ति कार्यालय में संपर्क कर ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण कर लें, ताकि भविष्य में खाद्यान्न वितरण से संबंधित किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

पहले तीन पेपर दिए, चौथे में रोकी गई छात्रा

पुरोला। बीएल जुवांठा पीजी कॉलेज में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की एमए प्रथम सेमेस्टर परीक्षा के अंतिम प्रश्नपत्र के दौरान पहचान पत्र को लेकर विवाद खड़ा हो गया। एक छात्रा को वैध पहचान पत्र नही होने के आधार पर परीक्षा कक्ष में प्रवेश से रोक दिया गया। छात्रा ने महाविद्यालय प्रशासन पर मनमानी का आरोप लगाते हुए प्राचार्य व एसडीएम पुरोला को पत्र सौंपकर मामले की जांच की मांग की है। शिकायत के अनुसार मंगलवार को अंतिम प्रश्नपत्र की परीक्षा में छात्रा नीलम को प्रवेश नही दिया गया। छात्रा का आरोप है कि जिस पहचान पत्र के आधार पर वह एमए प्रथम सेमेस्टर के पहले तीन प्रश्नपत्रों की परीक्षा दे चुकी थी उसी पहचान पत्र को अंतिम दिन अचानक अमान्य बताते हुए उसे परीक्षा से वंचित कर दिया गया। उनका कहना है कि यदि पहचान पत्र मान्य नही था तो पहले ही दिन आपत्ति जताई जानी चाहिए थी। अंतिम पेपर में परीक्षा से रोकना उनके साथ अन्याय है। छात्रा ने प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई करने और न्याय दिलाने की मांग की है। वही, महाविद्यालय के परीक्षा समन्वयक कृष्णदेव रतूड़ी ने छात्रा के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि परीक्षा के समय उसके पास उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से निर्धारित वैध पहचान पत्र नही था।

सुनवाई केंद्रों पर हर मतदाता को मिले सरल और पारदर्शी समाधान : डीएम

डीएम ने किया राप्रावि कुण्ड के बूथ का निरीक्षण, एसआईआर कार्यों का लिया जायजा

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव कुमार ने बुधवार को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत बद्रीनाथ विधानसभा क्षेत्र के विकासखंड दशोली स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय, कुण्ड में बूथ संख्या 86 एवं 87 पर निर्वाचक नामावली से संबंधित दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुनवाई प्रक्रिया, अभिलेखों के रखरखाव तथा मतदाताओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान

जिलाधिकारी ने प्राप्त दावों एवं आपत्तियों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की तथा अभिलेखों का अवलोकन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता, गुणवत्ता और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के द्वितीय चरण के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय, कुण्ड में एसआईआर सत्यापन कार्य का निरीक्षण किया गया। यहां संचालित दोनों बूथों पर ऐसे मतदाताओं के प्रकरणों का परीक्षण किया जा रहा है, जिनके नाम वर्ष 2003 की निर्वाचक नामावली से मैप नहीं हो पाए थे अथवा जिनके विवरण में विभिन्न प्रकार की विसंगतियां पाई गई हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में मतदाता अपने अभिलेखों के साथ सुनवाई केंद्र पहुंच रहे हैं, जहां बीएलओ, सुपरवाइजर एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) उनकी सहायता करते हुए आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण कर पात्र मतदाताओं के नाम सही ढंग से दर्ज कराने की कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने जनपद के सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि जिनके नाम अभी तक निर्वाचक नामावली में मैप नहीं हो पाए हैं अथवा जिनके नाम, पता या अन्य विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि है, वे निर्धारित अवधि के भीतर संबंधित सुनवाई केंद्र पर पहुंचकर आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करें, ताकि उनके दावे एवं आपत्तियों का समयबद्ध एवं नियमानुसार निस्तारण किया जा सके। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक प्रकाश, अधिशासी अधिकारी अनिल कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना के ट्रायल में पहुंचे डीएम, लिया फीडबैक

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत आयोजित ट्रायल प्रतियोगिता के दौरान जिलाधिकारी विशाल मिश्रा बुधवार को अगस्त्यमुनि क्रीड़ा स्थल पहुंचे। उन्होंने मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों से सीधे मुलाकात कर उनका उत्साह बढ़ाया और ट्रायल प्रक्रिया को लेकर प्रतिभागियों से फीडबैक भी लिया।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में खेल सुविधाओं को बेहतर बनाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए संबंधित विभागों को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।इस दौरान जिलाधिकारी ने ट्रायल में सफल होने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि चयनित खिलाड़ियों को प्रशासनिक स्तर पर हर संभव सुविधा मुहैया कराई जाएगी, ताकि वे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जनपद का नाम रोशन कर सकें। वहीं, जिलाधिकारी ने उन खिलाड़ियों से भी बात की जो किसी कारणवश चयनित नहीं हो सके। उन्होंने उन्हें निराश न होने की सलाह देते हुए कहा कि आने वाली प्रतियोगिता के लिए अभी से तैयारी करें। निरंतर मेहनत और अनुशासन से आने वाली प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि ट्रायल प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हो और ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान खिलाड़ियों को विशेष रूप से अवसर मिले।

इस दौरान जिलाधिकारी ने खेल विभाग के अधिकारियों के साथ अगस्त्यमुनि मैदान का निरीक्षण किया और आवश्यक व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट में ग्रामीणों का प्रदर्शन

नई टिहरी। प्रतापनगर ब्लॉक के गैरी राजपूतोकी के बेथाणा, कोरदी से बुरांशखंडा को सड़क से जोड़ने की मांग को लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। उन्होंने डीएम को दिए ज्ञापन में बेथाणा और कोरदी के लिए शीघ्र सड़क निर्माण करने की मांग की। ऐसा न होने पर उग्र आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी।

गंगोत्री हाईवे : पापडगाड के पास दो घंटे बंद रही आवाजाही

उत्तरकाशी /बड़कोट। गंगोत्री हाईवे पर बुधवार सुबह पापड़गाड के पास एक बार फिर से आवाजाही करीब दो घंटे तक बंद रही। लगातार भू-धंसाव की स्थिति बनने से हालात नाजुक बने हैं। हालांकि बीआरओ की जेसीबी लगातार मलबा हटाने में जुटी है। इसी तरह यमुनोत्री हाईवे लगातार बंद रहने के बाद तड़के तीसरे दिन वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया। बुधवार सुबह यमुनोत्री हाईवे खुलने से स्थानीय लोगों, यात्रियों और प्रशासनिक एवं अन्य सरकारी विभागों से जुड़े लोगों ने राहत की सांस ली। मार्ग खुलने के बाद आवश्यक सेवाओं और यात्रा व्यवस्था ने भी फिर से रफ्तार पकड़नी शुरूकर दी है। हालांकि बाडिया गांव के नीचे भू-धंसाव और यमुना नदी से हो रहे कटाव के कारण स्थिति अभी भी पूरी तरह सामान्य नही हो पाई है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप-मुख्य विद्युत अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए दो पैकेट प्रणाली के अन्तर्गत **ई-निविदा** आमंत्रित करते हैं :-

1.	**ई-निविदा एनआईटी संख्या**	**17-विद्युत/नि./टी.आर.डी./एम.बी./144**
2.	**कार्य का नाम व स्थान**	(i) जम्मू डिवीजन में 25 केवी एसी एकल चरण ओएचई का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग (पटियाल-भंगाला यार्ड के बीच कॉर्ड लाइन के साथ मुकेरियां-तलवाड़ा खंड के बीच नई लाइन का शेष रेलवे विद्युतीकरण कार्य। सी/डब्ल्यू में ओएचई संशोधन सहित (ii) अंबाला डिवीजन पर पारंपरिक ओएचई के अनुकूल हाई राइज ओएचई के साथ जेएचएल-एचएसआर सेक्शन पर जमालपुर शेखा स्टेशन और बहादुर सिंह वाला स्टेशन पर दूसरे लूप का प्रावधान।
3.	**कार्य पूरा करने की अवधि**	18 (अठरह) माह
4.	**कार्य की अनुमानित लागत**	₹ 17,06,74,322.98
5.	**बोली प्रतिभूति (आन लाईन) जमा कराने के लिए**	₹ 34,13,500/-
6.	**ई-निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खुलने की तिथि व समय**	निविदा दिनांक **27.08.2026** समय **15:00** बजे तक आईआरईपीएस की वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर सकते हैं। निविदाकर्ता ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। निविदा दिनांक **27.08.2026** समय **15:00** बजे खोली जाएगी।
7.	**निविदा के बारे में विस्तृत सूचना और दस्तावेज**	विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है और निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाईट पर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए 12.08.2026 से 27.08.2026 तक उपलब्ध होगा। उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी निबंधन और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई है। विस्तृत निविदा सूचना भी उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

प्रपत्र सं0 17-विद्युत/नि./टी.आर.डी./एम.बी./144 दिनांक : 04.08.2026 2691/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

(मुरादाबाद मण्डल) निविदा सूचना

क्र सं.	कार्य का नाम एवं लोकेशन	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्यूरिटी राशि (रु.)	कार्य के पूर्ण करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवम कार्यालय का पता
1	**02/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2026आर2** एमबी में विभिन्न स्थानों पर स्थापित विभिन्न क्षमताओं वाले वोल्टास ब्रांड के वी.आरवी/वी. आरएफ प्रकार के एयर कंडीशनिंग सिस्टमों के व्यापक वार्षिक रखरखाव के लिए 3 वर्ष का अनुबंध।	2708079.84 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद	54200.00	**36 (छतीस) माह**	निविदाये दिनांक **27.08.2026** को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेगी।	वेबसाइट **www.ireps.gov.in** मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय/ उत्तर रेलवे मुरादाबाद
2	**26/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2026** एमबी डिवीजन में विक्रेताओं के लिए प्रीपेड ऊर्जा मीटर लगाने और संबंधित विद्युत कार्यों के लिए विद्युत कार्य।	2797038.97 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद	56000.00	**6 (छः) माह**	निविदाये दिनांक **27.08.2026** को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेगी।	वेबसाइट **www.ireps.gov.in** मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय/ उत्तर रेलवे मुरादाबाद

निविदा सूचना सं. : **26/2026** दिनांक : 04.08.2026 2694/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे डी0एल0 नं0- UK-15-20120020513 में मेरे पिता का नाम BASHIR AHMAD के स्थान पर कलमी भूलवश VASEER AHMAD अंकित हो गया है। मैं अपने डी0एल0 में अपने पिता का नाम VASEER AHMAD के स्थान पर BASHIR AHMAD अंकित करवाना चाहता हूं।

अतः मेरे डी0एल0 नं0- UK-15-20120020513 में मेरे पिता का नाम BASHIR AHMAD अंकित किया जाय।

साबीर अहमद पुत्र बसीर अहमद निवासी निकट बूड़ाकोटी स्कूल, ग्रास्टनगंज, पो0ओ0 कुम्भीचौड़, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0580/21)

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।

उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग

पत्रांकः- 2161/18ए0सी0 दिनांकः- 01/08/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों (जिला योजना वर्ष 2026-2027) हेतु आइटम रेट के आधार पर सील्ड निविदा दि0 14/08/2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 07/08/2026 से 13/08/2026 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 14/08/2026 को अपरान्ह 3:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाले जा सकते हैं :

1- अधीक्षण अभियन्ता, 12 वां वृत्त, लो0नि0वि0, पौड़ी। 2- अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।
3- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 लैन्सडौन। 4- अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0, ऋषिकेश।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैद्यता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	खुवाणी से बडोलखोला तक सडक निर्माण।	21000.00	1000.00 18%+GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
2	कालीलांगो से ताल तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण।	24000.00	1000.00 18%+GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
3	अमकटला के लिए सम्पर्क मार्ग का निर्माण।	21000.00	1000.00 18%+GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
4	कोलागाड ल्यूठिंया से ताड़केश्वर तक मार्ग निर्माण।	21000.00	1000.00 18%+GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
5	ज्वालाचौड़ में सम्पर्क मार्ग निर्माण।	21000.00	1000.00 18%+GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
6	बसडा तिमलसैण जुकनिया मार्ग में दीवार निर्माण कार्य।	18000.00	1000.00 18%+GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
7	जिला योजना वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत रथुवाढाब-बसडा मोटर मार्ग से मल्ली कुमाल्डी मोटर मार्ग में सी0सी0 ब्लॉक (इण्टर लॉकिंग टाईल्स) द्वारा मार्ग का निर्माण कार्य।	18000.00	1000.00 18%+GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
8	सिरोबाडी पुल हेतु पहुंच मार्ग का निर्माण।	15000.00	500.00 18%+GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
9	एस0एच0 9 के कि0मी0 125 से 139 तक स्कपर दीवार का निर्माण कार्य।	21000.00	1000.00 18%+GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।

निविदा दिनांक 17/08/2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा में कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा के साथ वांछित धरोहर धनराशि एवं रू0 100.00 का स्टाम्प पेपर संलग्न करना अनिवार्य है। अन्य शर्तें निविदा पत्र के साथ देखी जा सकेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

(इं0 निर्भय सिंह)
अधिशासी अभियंता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0
दुगड्डा (गढ़वाल)

(0354/53)

भारतीय टीम के अभ्यास मैच पर बारिश का साया

-खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर भी चिन्ताएं बढ़ीं

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका पहुंच गयी है। इस सीरीज के लिए दोनो ही टीमों की तैयारी पूरी है। भारतीय टीम को यहां सीरीज शुरु होने से पहले एक अभ्यास मैच भी खेलना है जिसपर बारिश का साया मंडरा रहा है। इसके अलावा प्रमुख खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर भी भारतीय टीम परेशान है। भारतीय टीम को 7 अगस्त से कोलंबो में तीन दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलना है पर मौसम विभाग ने इस दौरान भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, 7 से 9 अगस्त तक कोलंबो में भारी बारिश होने आ अनुमान है, जिसमें पहले दिन ही 91 फीसदी बारिश हो सकती है। इसके बाद भी बाकि दिन बादल छाए रहेंगे। यहां भारतीय टीम के पहुंचते ही उसे बारिश का सामना करना पड़ा जिससे ऐसे में आगे भी अभ्यास सत्र पूरी तरह से बाधित होने की आशंका है।

भारतीय टीम दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 15 से 19 अगस्त तक गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगी। इसके बाद दोनो ही टीमें दूसरे टेस्ट के लिए कोलंबो रवाना होंगी, जो 23 से 27 अगस्त तक सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित होगा।

सीरीज शुरू होने से पहले ही भारतीय टीम खिलाड़ियों की की फिटनेस से परेशान है। इससे भी टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ गयी हैं। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले ही सीरीज से बाहर हो गये हैं।उनकी जगह आकिब नबी को टीम में शामिल किया है। बुमराह के अलावा हर्षित राणा हैमस्ट्रिंग की चोट, नितीश कुमार रेड्डी क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण बाहर हैं। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर भी हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं, जबकि तेज गेंदबाज आकाश दीप भी पीठ में खिंचाव के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। इन चोटों ने टीम की बेंच स्ट्रेंथ और संयोजन पर सीधा प्रभाव पड़ा है।

डब्ल्यू डब्ल्यू ई पहलवान लेसनर ने पेशेवर कुश्ती को अलविदा कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वॉशिंगटन (ईएमएस)। 10 बार के डब्ल्यू डब्ल्यू ई चैंपियन अमेरिकी रेसलर ब्रॉक लेसनर ने पेशेवर कुश्ती से संन्यास की घोष्णा कर दी है। द बीस्ट इनकार्नेट के नाम से लोकप्रिय 49 साल के लेसनर ने द पैट मैकफी शो में कहा कि अब उनका सफर समाप्त पूरा हुआ। इसी के साथ ही खेल जगत में इस रेसलर का दो दशक लंबा करियर समाप्त हो गया है। लेसनर ने सोशल मीडिया में कहा, मैं आज दुनिया को यह बताने आया हूं कि मैंने संन्यास ले लिया है। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताहांत उनके लिए एक भावनात्मक दिन था, जब वह मिनियापोलिस में एक अंतिम हेल इन ए सेल मुकाबले में उतरे। इस मैच के साथ ही उन्होंने अपने पेशेवर कुश्ती करियर पर विराम लगाने का अंतिम फैसला कर लिया।लेसनर का करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने केवल डब्ल्यू डब्ल्यू ई ही नहीं बल्कि यूएफएसी में भी हैवीवेट चैंपियन बनकर मिश्रित मार्शल आर्ट्स की दुनिया में अपनी धाक जमाई थी। अपनी ताकत, आक्रामकता और प्रतिभा से वह खेल के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक बने। लेसनर ने अपने करियर के दौरान कई डब्ल्यू डब्ल्यू ई कुश्ती मुकाबलों में छाये रहे। उन्होंने जॉन सीना, द अंडरटेकर, रोमन रेंस, कर्ट एंगल और ट्रिपल एच जैसे दिग्गजों को भी हराया।

लेसनर ने कहा कि इस साल की शुरुआत में रेसलमेनिया में जब उन्हें ओमोसने पटका था, तब उन्हें लगा था कि उनका करियर समाप्त हो गया है। उन्होंने उस क्षण को याद करते हुए कहा, जब ओमोस ने मुझे रेसलमेनिया में पटका, तो मैंने कहा, 'मैं अब और नहीं कर सकता। मुझे लगता है कि मेरा करियर खत्म हो गया है।'लेकिन, जैसा कि उन्होंने बताया, खेल जगत ने उन्हें फिर से बुलाया और उनमें अभी भी कुछ ऊर्जा बाकी थी, जिसने उन्हें पिछले सप्ताहांत मिनियापोलिस में एक और हेल इन ए सेल मुकाबला लड़ने के लिए प्रेरित किया। यह उनका अंतिम प्रदर्शन साबित हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि शनिवार को हुई उनकी अंतिम उपस्थिति के साथ, उनके लिए रिंग में और बाकी सब कुछ खत्म हो जाएगा। लेसनर की इस घोषणा के साथ, पेशेवर खेल इतिहास के सबसे अनोखे और सफल करियर में से एक का अंत हो गया है।

इंग्लैंड का कोच बनना चाहते हैं स्टोक्स, खेल में वापसी से इंकार किया

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स का कहना है कि वह भविष्य में टीम का मुख्य कोच बनना चाहते हैं। स्टोक्स ने हाल ही में खेल से संन्यास लिया था। जिसके बाद से ही ये उनका पहला बयान आया है। इसमें स्टोक्स ने साफ कर दिया है कि वह वापसी नहीं करेंगे। इससे पहले ये अटकलें लगायीं जा रहीं थीं कि एशेज सीरीज में वह संन्यास से वापसी कर सकते हैं पर अब ऐसी संभी संभावनाओं पर विराम लग गया है। उन्होंने कहा कि मेरा संन्यास का फैसला स्थायी है। अपने लंबे समय के लक्ष्यों और संन्यास के बाद की योजनाओं को लेकर स्टोक्स ने कहा कि वह इंग्लैंड का कोच बनकर टीम को सफल बनाना चाहते हैं।

स्टोक्स ने अपनी कोचिंग की इच्छा जताते हुए कहा, मुझे पता है कि खेल से जुड़े रहने के लिए मैं क्या करना चाहता हूं। इसमें मुख्य है कोच बनना। मैं अभी घरेलू क्रिकेट खेलते हुए ही अपना लेवल-3 कोचिंग कोर्स कर रहा हूं, क्योंकि मैं चाहता हूं कि जब मैं खेलना छोड़ूं, तो मेरी सारी कोचिंग से जुड़ी चीजें पूरी हो गयी। मुझे खेल से हटकर किसी तरह से नेतृत्व की भूमिका में रहने का विचार बहुत पसंद है। स्टोक्स ने कहा कि हैरी ब्रूक को टेस्ट में कप्तान बनाया जाना चाहिये था पर इंग्लैंड बोर्ड ने उनकी जगह पर जो रुट को कप्तानी दे दी। स्टोक्स ने ब्रूक का समर्थन करते हुए कहा कि अगर किसी को अच्छा कप्तान या लीडर माना जाता है, तो उसे तुरंत यह जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। ब्रुक पहले से ही उपकप्तानी कर रहे थे, इसलिए उन्हें जिम्मेदारी देना सही रहता। उन्होंने रूट को अपनी शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि वह कोच स्टीफन फ्लेमिंग के साथ मिलकर कप्तान के तौर पर शानदार काम करेंगे। गौरतलब है कि साल 2022 से चार साल तक टेस्ट कप्तानी संभालने वाले स्टोक्स ने तब मुख्य कोच रहे ब्रेंडन मैकुलम के साथ मिलकर इंग्लैंड के टेस्ट क्रिकेट खेलने के तरीके को आक्रामक बना दिया था। जिसे बैजबॉल के नाम से भी जाना गया। हालांकि, स्टोक्स के संन्यास की घोषणा के ठीक दो सप्ताह बाद मैकुलम ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। रोल से हटने का ऐलान कर दिया। इसके बाद, न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग को नया टेस्ट कोच नियुक्त किया गया। मैकुलम के कार्यकाल की शुरुआत में जबरदस्त आक्रामक बल्लेबाजी पर आधारित क्रिकेट सफल रहा पर हाल के दिनों में टीम के प्रदर्शन में गिरावट आई है और वह पिछले नौ टेस्ट मैचों में से सात हार गयी।

बीसीसीआई चयन समिति में हो सकता है बदलाव, अगरकर को हटाये जाने की संभावना

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम में बड़े बदलाव हो सकते हैं। इससे चयन समिति और प्रबंधन भी बचे नहीं हैं। यहां तक कि मुख्य चयनकर्ता के पद से अजीत अगरकर को हटाये जाने की संभावनाएं भी बढ़ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य चयनकर्ता अगरकर का कार्यकाल अगले महीने सितंबर, समाप्त हो रहा है और उसे अगले साल तक बढ़ाये जाने की संभावनाएं नहीं हैं। इससे ये सवाल उठता है कि अगरकर के बाद इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को कौन संभालेगा। अब तक जो नाम इसके लिए उभरकर सामने आया है। वह है पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण का। अगरकर ने जुलाई 2023 में मुख्य चयनकर्ता का पद संभाला था। उनके कार्यकाल में टीम इंडिया ने कई अहम उपलब्धियां हासिल की हैं जिसमें एशिया कप से लेकर चैम्पियंस ट्रॉफी और टी20 विश्वकप

की जीत शामिल है। इन सफलताओं के बावजूद, उनके कार्यकाल विस्तार की संभावना कम लग रही है। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने उनके अनुबंध को पहले ही तीन महीने के लिए बढ़ाया था और 2027 विश्व कप तक विस्तार पर विचार कर रहा था। वहीं अब यह योजना मुश्किल में पड़ती दिख रही है। यह दिखाता है कि बोर्ड बड़े फैसलों की तैयारी में है, जो भविष्य की रणनीतियों से जुड़े हो सकते हैं।

गौरतलब है कि लक्ष्मण का नाम मुख्य चयनकर्ता के तौर पर उभरना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। वह लंबे समय से भारतीय क्रिकेट के विकास में अहम भूमिका निभा रहे हैं। एनसीए प्रमुख के रूप में, लक्ष्मण ने युवा प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्हें भारतीय घरेलू क्रिकेट सर्किट और खिलाड़ियों के विस्तृत पूल की गहरी समझ है, जो एक मुख्य चयनकर्ता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण गुण हैं। हाल ही में, उन्होंने जिम्बाब्वे दौरे पर भारतीय टीम के मुख्य कोच की भूमिका सफलतापूर्वक संभाली थी, और इससे पहले भी जब मुख्य कोचिंग स्टाफ को आराम दिया गया था, तब लक्ष्मण ने ही टीम की कमान संभाली थी। यह अनुभव उन्हें एक मजबूत प्रशासनिक और नेतृत्व क्षमता वाला उम्मीदवार बनाता है।

भारतीय टीम का विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचना कठिन , श्रीलंका के पास अच्छा अवसर : चोपड़ा

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम जिस प्रकार से खेल रही है । उसको देखते हुए उसके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के फाइनल में पहुंचने की संभावना बेहद कम है । वहीं श्रीलंका के पास अच्छा अवसर है । चोपड़ा के अनुसार ये सही है कि भारतीय टीम दो बार की उपविजेत रही है पर इस बार उसकी राह लगभग असंभव नजर आ रही है । वहीं श्रीलंका के पास भारत के खिलाफ होने वाली आगामी घरेलू सीरीज जीतकर शीर्ष चार में जगह बनाने का अवसर है । भारतीय टीम 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी । वर्तमान हालातों पर नजर डालें तो डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में भारतीय टीम 48.150 फीसदी अंकों (पीसीटी) के साथ पांचवें स्थान पर है, जिसने नौ मैचों में चार जीत और चार हार दर्ज की हैं । वहीं, श्रीलंका 41.67 पीसीटी के साथ छठे स्थान पर है । चोपड़ा ने बताया कि श्रीलंका के लिए यह सीरीज निर्णायक साबित हो सकती है । उन्होंने कहा, अगर हम (भारत) 2-0 से हारते हैं, तो हम सिर्फ 39 फीसदी अंक र रहेंगे और श्रीलंका 61 फीसदी अंक पर पहुंच जाएगा और चौथे नंबर पर आ जाएगा । अगर श्रीलंका भारत को 2-0 से हराता है तो वह दौड़ में शामिल हो जाएगा । तब उनके आगे बढ़ने का वास्तविक मौका होगा, वरना उनके लिए यह पास आकर भी दूर रहने वाली कहानी होगी । इससे स्पष्ट है कि श्रीलंका के पास इस सीरीज में क्लीन स्वीप कर डब्लूटीसी फाइनल की दौड़ में मजबूत दावेदारी पेश करने का सुनहरा अवसर है । वहीं, भारतीय टीम के हिसाब से देखें तो चोपड़ा ने बताया कि अगर भारत सीरीज में क्लीन स्वीप करता है, तो उन्हें फायदा मिल सकता है । उन्होंने कहा, अगर हम यह सीरीज 2-0 से जीतते हैं, तो हम 57.58 फीसदी अंक तक पहुंच जाएंगे । हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर सीरीज 1-1 से ड्रॉ होती है, तो दोनों टीमों को कोई खास फायदा नहीं होगा । ऐसी स्थिति में भारत 48.48 पीसीटी और श्रीलंका 44.44 पीसीटी पर रहेगा, जिससे उनकी मौजूदा स्थिति में कोई बड़ा बदलाव नहीं आएगा ।

राष्ट्रमण्डल खेलों से गायब हुआ पाकिस्तानी मुक्केबाज

ग्लास्गो । ग्लास्गो राष्ट्रमण्डल खेलों से पाकिस्तान का एक मुक्केबाज कुदरातुल्लाह गायब हो गया है । इस मुक्केबाज के गायब होने से पाक मुक्केबाजी महासंघ की मुश्किलें बढ़ गयी हैं । ये

पहला मामला नहीं है जब कोई पाक खिलाड़ी गायब हुआ हो । इससे पहले भी कई बार ऐसे वाकये होते रहे हैं । इसी को लेकर पाकिस्तान ओलंपिक संघ का कहना है कि राष्ट्रमंडल खेलों में अपने मुकाबले में उतरने के बाद कुदरातुल्लाह टीम होटल से गायब हो गया था जिसके बाद से ही उसका कुछ पता नहीं चला है । हैरानी की बात ये है कि उसका पासपोर्ट टीम मैनेजर के पास ही है । इसके बाद भी वह गायब हो गया । वहीं इससे पहले भी एक बार राष्ट्रमंडल खेलों से पाकिस्तान के दो मुक्केबाज सुलेमान बलोच और नजीरूल्लाह खान बर्मिघम में गायब हो गए थे जबकि पासपोर्ट दल प्रमुख के पास थे । पाक ओलंपिक संघ के एक अधिकारी के अनुसार वापसी की तैयार के लिए अहम कुदरातुल्लाह के कमरे में गये थे पर मुक्केबाज वहां नहीं था जबकि उसका सामान और निजी चीजें कमरे में ही थीं । इसके बाद हमने एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले उन्हें खोजने की बहुत कोशिश की पर वह नहीं मिले ।

अपनी सरकारी नौकरी की जिम्मेदारी निभाने पहुंचे ईशान

पटना । क्रिकेटर ईशान किशन खेल से ब्रेक मिलते ही अपनी नौकरी में पहुंच गये । ईशान रिजर्व बैंक में सहायक प्रबंधक के पद पर हैं ।

ईशान पटना स्थित रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में पहुंचे । सोशल मीडिया पर वायरल हुई इन तस्वीरों में ईशान आई कार्ड में दिखे । वह बैंक कर्मचारियों के साथ सेल्फी लेते नजर नजर आ रहे थे । ईशान को साल 2017 में केवल 18 साल की उम्र में स्पोर्ट्स कोटे के तहत यह पद मिला था । ईशान ने आरबीआई की ओर से डीवाई पाटिल क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लिया है । अपने व्यस्त क्रिकेटिंग कार्यक्रम के बाद भी जब भी उन्हें क्रिकेट से समय मिलता है, वह अपनी ड्यूटी निभाने के लिए बैंक पहुंच जाते हैं । ईशान के बैंक पहुंचते ही वहां का माहौल किसी उत्सव जैसा हो जाता है । बैंक कर्मचारियों में उनके साथ एक तस्वीर लेने की होड़ लग गई । कर्मचारियों के लिए यह एक विशेष अवसर था, क्योंकि व्यस्तताओं के कारण ईशान कभी-कभी ही कार्यालय जा पाते हैं । इसलिए हर कोई अवसर का लाभ उठाते हुए उनके साथ सेल्फी लेना चाहता था । ईशान ने भी सहजता से स्टाफ के साथ तस्वीरें खिंचवाईं, जिससे दिन भर बैंक में उत्साह का माहौल बना रहा । उनकी मौजूदगी ने कार्यस्थल पर एक अलग ही ऊर्जा भर दी । इससे साफ है कि ईशान खेल के साथ ही अपनी नौकरी के प्रति भी गंभीर हैं ।

संयोग से गोलकीपर बने मोहित हॉकी विश्व कप में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयोग से गोलकीपर बने कर्नाटक के 24 वर्षीय मोहित एचएस का भारत के लिए हॉकी विश्व कप खेलने का सपना आखिरकार पूरा होने जा रहा है। वह 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। अनुभवी गोलकीपर सूरज करकेरा के साथ मोहित भारतीय टीम के दो गोलकीपरों में शामिल हैं।

यह उपलब्धि उनके अब तक के प्रेरणादायक सफर का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है। भले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोहित का अनुभव करकेरा जितना नहीं है, लेकिन हाल के महीनों में उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित किया है। खासकर एफआईएच प्रो लीग के अंतिम चरण में उनके दमदार खेल ने चयनकर्ताओं का भरोसा और मजबूत किया। दिलचस्प बात यह है कि मोहित का गोलकीपर बनने का सफर पूरी तरह संयोग से शुरू हुआ था।

स्कूल की हॉकी टीम में गोलकीपर नहीं होने के कारण उनके कोच ने उनकी लंबाई को देखते हुए उन्हें इस जिम्मेदारी के लिए चुना। यह अप्रत्याशित मौका धीरे-धीरे उनके सफल करियर की नींव बन गया। इसके बाद उन्होंने जूनियर विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया और फिर सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाते हुए लगातार आगे बढ़ते गए। हॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में मोहित ने कहा, 'मेरी हमेशा से यही सोच रही है कि भारत के लिए बड़े टूर्नामेंट खेलूं। जूनियर विश्व कप में हम पदक नहीं जीत सके थे और चौथे स्थान पर रहे थे। तभी से मेरा सपना था कि भारत के लिए कुछ बड़ा करूं।'

मोहित ने भारतीय हॉकी के महान गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश से मिली सीख का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'हमने श्रीजेश से बहुत कुछ सीखा है। लेकिन उनके जैसा प्रदर्शन करने का दबाव हम पर नहीं है। उन्होंने भारत के लिए शानदार योगदान दिया है। हम मैदान पर अपना शत-प्रतिशत देंगे और फिर परिणाम जो होगा, उसे स्वीकार करेंगे।'

भारतीय टीम हाल ही में समाप्त हुए एफआईएच प्रो लीग अभियान में नीदरलैंड और जर्मनी जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद नए आत्मविश्वास के साथ विश्व कप में उतर रही है। टीम की तैयारियों पर मोहित ने कहा, 'नीदरलैंड और जर्मनी को हराने के बाद हमारा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। मुझे लगता है कि विश्व कप से पहले हमारी तैयारियां सही दिशा में हैं।'

मोहित के लिए विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उनका लक्ष्य मैदान पर हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देना और भारत को फिर से विश्व चैंपियन बनाने में योगदान देना है। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए सबसे बड़ा पैमाना यही है कि जब भी मैं मैदान पर उतरूं, देश के लिए अपना सौ प्रतिशत दूं। मेरे सीनियर करियर में इससे बड़ा अवसर अब तक नहीं मिला है। मैं भारत को एक बार फिर विश्व चैंपियन बनाने की पूरी कोशिश करूंगा।' गौरतलब है कि भारत ने एफआईएच हॉकी विश्व कप का अपना एकमात्र स्वर्ण पदक वर्ष 1975 में कुआलालंपुर में पाकिस्तान को हराकर जीता था।

कार्लोस अल्काराज चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हटे

सिनसिनाटी । दुनिया के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज दाईं कलाई की चोट के कारण मंगलवार को सिनसिनाटी ओपन से हट गए । यह चोट उन्हें अप्रैल से परेशान कर रही है । स्पेन के अल्काराज इस हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रहे थे । यह प्रतियोगिता यूएस ओपन से पहले महत्वपूर्ण अभ्यास टूर्नामेंट मानी जाती है । टूर्नामेंट निदेशक बॉब मोरान ने कहा, 'हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं । हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में सिनसिनाटी में उनका स्वागत करने की उम्मीद करते हैं ।' अल्काराज का पिछला टूर्नामेंट बार्सिलोना ओपन था । इसके बाद वह इस सत्र से बाहर चल रहे हैं । हाल की तस्वीरों और वीडियो में उन्हें अभ्यास करते हुए देखा गया था, जिससे उम्मीद थी कि वह 11 अगस्त से शुरू होने वाले सिनसिनाटी ओपन में वापसी कर लेंगे । यूएस ओपन में उनकी वापसी की उम्मीदें हालांकि बरकरार है । वह यूएस ओपन के मौजूदा चैंपियन भी है ।

अल्जीरिया ने विश्वकप में खराब प्रदर्शन के कारण कोच पेटकोविच को हटाया

अल्जीयर्स । अल्जीरियाई फुटबॉल फेडरेशन (एफएएफ) ने हाल में हुए फीफा विश्वकप में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए टीम के मुख्य कोच व्लादिमीर पेटकोविक और उनके सहयोगी स्टाफ को हटा दिया है । एफएएफ ने कोच पेटकोविक के 29 महीने के कार्यकाल के बाद ही बाहर कर दिया है । इसका कारण उनका अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाना रहा है । एफएएफ ने एक आधिकारिक बयान में पेटकोविक और उनके स्टाफ के प्रति उनके पेशेवरपन, प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया । गौरतलब है कि स्विट्जरलैंड और लाजियो के पूर्व कोच रहे पेटकोविक को मार्च 2024 में जामेल बेलमाडी की जगह टीम का कोच बनाया गया था । उनके मार्गदर्शन में, अल्जीरिया ने 2026 फीफा विश्व कप के लिए सफलतापूर्वक क्वालीफाई किया, 2022 में बाहर रहने के बाद टूर्नामेंट में अपनी वापसी सुनिश्चित की । यह उपलब्धि प्रशंसनीय थी, जिसने टीम में नई उम्मीदें जगाई थीं । हालांकि, 62 वर्षीय पेटकोविक के नेतृत्व में टीम का प्रदर्शन विश्व कप में निराशाजनक रहा, जिसके कारण फेडरेशन को अलग होने का निर्णय लेना पड़ा । अल्जीरिया ग्रुप जे में तीसरे स्थान पर रहा और नॉकआउट चरण में पहुंचा, लेकिन राउंड ऑफ 32 में स्विट्जरलैंड से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया । यह गौरतलब है कि विश्व कप से कुछ समय पहले ही पेटकोविक का अनुबंध 2028 तक बढ़ा दिया गया था । इसके बावजूद, टीम के अपेक्षित परिणामों को हासिल करने में विफलता ने फेडरेशन को भविष्य को देखते हुए यह कड़ा कदम उठाने पर मजबूर किया ।

बुमराह की खराब फिटनेस से उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर उठे सवाल , पिछले 970 दिन में सिर्फ तीन एकदिवसीय ही खेल पाये

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी फिटनेस को लेकर लगातार संघर्ष करते रहे हैं । इसी कारण वह बार-बार टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं । ऐसे में अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में उनके खेलने को लेकर टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं । इसका कारण ये है कि पिछले बुमराह पिछले 970 दिन में सिर्फ तीन एकदिवसीय ही खेल पाये हैं । ऐसे में उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर भी सवाल उठ रहे हैं । एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह अपने अनूठी एक्शन और सटीक यॉर्कर के कारण क्रिकेट जगत में एक अलग पहचान बनाने में सफल रहे हैं पर यही उनकी फिटनेस के लिए भी एक चुनौती बन गई है । बीसीसीआई द्वारा उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दिए जाने के बावजूद, बुमराह की मैदान पर उपलब्धता एक बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है । क्रिकेट के मैदान पर उतरने के बाद कोई भी खिलाड़ी अपने को चोटों से ज्यादा समय तक नहीं बचा पाता, और बुमराह इसका जीता-जागता उदाहरण हैं । ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले 970 दिनों की अवधि में बुमराह ने भारतीय टीम के लिए केवल 3 एकदिवसीय मैच खेले हैं । यह आंकड़ा तब और भी हैरान करने वाला हो जाता है जब हम देखते हैं कि इसी दौरान भारतीय टीम ने कुल 29 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं, जिसका अर्थ है कि बुमराह ने इनमें से 26 महत्वपूर्ण मैचों को नहीं खेला है । 2023 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के बाद से ही हां बुमराह कुछ ही एकदिवसीय मैचों में ही मैदान पर दिखे हैं । ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या बुमराह अपनी इस सीमित उपलब्धता के साथ भारतीय टीम को 2027 का एकदिवसीय विश्व कप जिताने में सक्षम होंगे ? साथ ही, वर्कलोड मैनेजमेंट पर इतना जोर दिए जाने के बावजूद उनकी पूरी फिटनेस हासिल न कर पाना भी कई गंभीर सवाल खड़े करता है ।

पिछले 10 महीने ने मेरी ऐसी परीक्षा ली, जिसकी मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी:नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिटनेस से जुड़ी परेशानियों से करीब एक साल तक जूझने के बाद भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा कि पिछले 10 महीने उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहे और उन्होंने ऐसे दौर का सामना किया, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 28 साल के इस खिलाड़ी ने पिछले सप्ताह राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर अपने पदकों के संग्रह में एक और उपलब्धि जोड़ी। वह मुख्य रूप से जांघ की मांसपेशियों की चोट और कुछ अन्य शारीरिक परेशानियों से प्रभावित रहे थे। चोट के कारण नीरज का सत्र देर से शुरू हुआ, लेकिन उन्होंने ग्लास्गो में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में 85.83 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ अपनी लय हासिल कर ली।

नीरज ने इंस्टाग्राम पर राष्ट्रमंडल खेलों के प्रदर्शन का वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'कुछ भाले लंबी दूरी तय करते हैं और कुछ पल पूरी यात्रा का भार अपने साथ लेकर आते हैं। पिछले 10 महीने ने मेरी ऐसी परीक्षा ली, जिसकी मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी।' उन्होंने कहा, 'कई चोटों से उबरना, अपने शरीर को दोबारा मजबूत बनाना, फिर से लय हासिल करना और उस समय धैर्य रखना जब मैं केवल प्रतियोगिता में उतरना चाहता था। मैं हर दिन अभ्यास कर रहा था, लेकिन यह भी नहीं पता था कि इस साल मुझे खेलने का मौका मिलेगा या नहीं।'

नीरज ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में 86.47 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन चोट के कारण 2022 के सत्र में हिस्सा नहीं ले सके थे। पिछले साल सितंबर में विश्व चैंपियनशिप से ठीक पहले उन्हें कमर के निचले हिस्से में चोट लगी थी और राष्ट्रमंडल खेलों से पहले उन्होंने केवल एक प्रतियोगिता में भाग लिया था। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में खराब मौसम के कारण मुश्किल परिस्थितियों के बीच नीरज को श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिराजे 89.75 मीटर के थ्रो के साथ पीछे छोड़ा। पथिराजे मौजूदा सत्र में सबसे अधिक दूरी तक भाला फेंकने वाले खिलाड़ी है।

पूर्व विश्व चैंपियन नीरज ने अपनी वापसी में मदद करने वाले सहयोगी दल के प्रति आभार जताते हुए कहा, 'इस स्तर पर दोबारा प्रतिस्पर्धा करना अच्छा लग रहा है। यह सब कुछ अकेले संभव नहीं था। मैं उन लोगों का दिल से आभारी हूं, जिन्होंने हमेशा मेरा विश्वास बनाए रखा। उन्होंने अपने फिजियो ईशान मारवाहा और कोच जय चौधरी का विशेष रूप से धन्यवाद किया। नीरज ने कहा, 'ईशान जी चोट से उबरने के दौरान हर कदम पर मेरे साथ रहे और मुझे फिर से वह करने में मदद की, जिसे मैं सबसे ज्यादा पसंद करता हूं। मेरे कोच जय चौधरी उस समय से मेरे साथ हैं, जब मैंने पहली बार भाला उठाया था।' उन्होंने कहा, 'मेरा परिवार हर परिस्थिति में मेरे साथ मजबूती से खड़ा रहा। सत्र अभी जारी है और मैं धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा हूं।'